CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-248
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

**आज का विचार**

अच्छे विचार और अच्छी सोच से आचरण भी अच्छा बनता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

# सिटी चीफ

इंदौर, शुक्रवार 13 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

## धार्मिक स्थलों पर न नए मुकदमे दायर किए जाएंगे, न ही सर्वेक्षण का आदेश

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को निर्देश दिया कि धार्मिक स्थलों या तीर्थस्थलों के संबंध में कोई नया मुकदमा दर्ज नहीं किया जा सकता। साथ ही जिला अदालतों द्वारा सर्वेक्षण का आदेश तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक कि उपासना स्थल अधिनियम, 1991 की वैधता से संबंधित मामला उसके समक्ष लंबित है। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि हालांकि नए मुकदमे दायर किए जा सकते हैं लेकिन उन्हें पंजीकृत नहीं किया जाएगा और जिला अदालतों द्वारा कोई प्रभावी आदेश पारित नहीं किया जाएगा। साथ ही शीर्ष अदालत ने 1991 के कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार को चार सप्ताह का और समय दिया। याचिकाओं के एक समूह पर विचार करते हुए अदालत ने यह भी कहा कि कानून के क्रियान्वयन की मांग करने वाली याचिका पर भी केंद्र द्वारा कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है। नवगठित पीठ ने नए मुकदमों पर विचार करने पर रोक लगाने के आदेश के विरोध को खारिज कर दिया। कानून की वैधता को चुनौती देने वालों की ओर से पेश वकीलों ने इस आदेश का विरोध किया था। पीठ ने कहा कि मुकदमे दायर किए जाने पर भी कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती। जब मामला इस अदालत के समक्ष विचाराधीन है तो क्या दूसरों के लिए इस पर रोक लगाना उचित नहीं होगा। जब तक हम मामले की जांच नहीं कर लेते, तब तक कोई प्रभावी आदेश या सर्वेक्षण आदेश पारित नहीं किया जा सकता। उपासना स्थल अधिनियम, 1991 को पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने राम मंदिर आंदोलन के चरम पर लागू किया था। इस कानून का उद्देश्य 15 अगस्त, 1947 को मौजूद धार्मिक स्थलों की स्थिति की रक्षा करना था। देश भर में मस्जिद और दरगाह सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर सर्वेक्षण करने के लिए लगभग 18 मुकदमे दायर किए गए हैं, जिसके बारे में मुस्लिम पक्षों ने दावा किया है कि यह कानून के प्रावधानों की अवहेलना है।

## मध्यप्रदेश सरकार का एक साल पूरा...
## सीएम ने जो काम गिनाए वे नजर भी आ रहे

**भोपाल।** मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुरुवार को मध्यप्रदेश में अपनी सरकार का एक साल पूरा होने के मौके पर रिपोर्ट कार्ड पेश किया। भोपाल के मिंटो हाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सीएम ने अपनी सरकार के एक साल की उपलब्धियां बताई। इस दौरान उनके साथ डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ला और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी मौजूद रहे। सीएम मोहन यादव ने कहा कि 11 दिसंबर से हम जनकल्याण अभियान चला रहे हैं। अगले 40 दिन हमारे शासन और प्रशासन के जिम्मेदार लोग गांव-गांव जाएंगे और 76 प्रकार की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाया जाएगा। आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत प्रदेशभर में शिविर लगाए जाएंगे। ताकि, जनकल्याण का हमारा संकल्प पूरा हो सके। परिवहन व्यवस्था को सुदृढ करने के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। इंदौर मनमाड़-रेललाइन से 4 घंटे की बचत होगी। इससे माल ढुलाई सहित व्यापारिक गतिविधियों को काफी फायादा होगा। मेट्रो और वंदे मेट्रो की दिशा में लगातार प्रयास कर रहे हैं। रेलवे का काम देखने के लिए हम एक ओएसडी नियुक्त कर रहे हैं। हाइवे और हवाई यात्रा की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

**एयर एम्बुलेंस के जरिये लोगों को त्वरित उपचार दिलाया-** सीएम मोहन यादव ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए हमने पशुपालन और डेयरी उद्योग को समृद्ध करने जा रहे हैं। दुग्ध उत्पादन का रेशियो बढ़ाकर 9 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाएंगे। गौशाला संचालन के लिए राशि बढ़ाई। उनके उपचार के लिए हाईड्रोलिक एम्बुलेंस सहित अन्य प्रयास किए जा रहे हैं। सुशासन की दिशा में हमने कई काम किए हैं। स्वास्थ्य और मेडिकल शिक्षा विभाग को मिलाकर हमने प्रदेश में मेडिकल कॉलेज, 5 आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज और मेडिसिटी की दिशा में प्रयास किए हैं। एयर एम्बुलेंस के जरिये गरीब लोगों को त्वरित उपचार दिलाया जा रहा है। ई-पंजीयन के जरिए लोगों को काफी फायदा हुआ है।

**2025 को उद्योग वर्ष मनाएंगे-** सीएम मोहन यादव ने कहा कि 2025 को हम उद्योग वर्ष मनाएंगे। जिला स्तर पर इंडस्ट्रीयल इनवेस्टमेंट समिट कर उद्योगों को बढ़ावा देंगे। इसमें स्थानीय युवाओं, उद्योगपतियों के अलावा विदेशी निवेशकों को भी जरूरी सुविधाएं दी जाएंगी। इसके लिए अगले महीने शहडोल, भोपाल में भी कान्क्लेव करेंगे। इसके अलावा देश के अन्य बड़े शहरों में भी उद्योग कनक्लेव किए जाएंगे। धार्मिक और पर्यटन क्षेत्र को भी समृद्ध किया जा रहा है। क्यों इस क्षेत्र में रोजागार की अपार संभावनाएं हैं। महिला सशक्ति करण की दिशा में लगातार प्रयास कर रहे हैं। 26 लाख महिलाओं को सस्ते गैस सिलेंडर, 1.29 करोड़ महिलाओं को लाड़ली बहना योजना, महिला उद्यमियों को अनुदान दे रहे हैं।

**एक लाख सरकारी और ढाई लाख प्राइवेट नौकरियों देंगे-** सीएम मोहन यादव ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने एक लाख सरकारी नौकरी और ढाई लाख प्राइवेट नौकरियों देंगे। स्वरोजगार की दिशा में भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। 4 लाख करोड़ के निवेश की तैयारी है। पीएम एक्सीलेंस कॉलेज के लिए बस दी है। जो 1 रुपए के किराए पर परिवहन सुविधा, सभी विवि और एक्सीलेंस कॉलेज में बीएससी एग्रीकल्चर, डेयरी और नर्सिंग जैसे कोर्स शुरू कराएंगे।अंकसूची, टीसी सहित अन्य दस्तावेज डीजी लॉकर के जरिए ऑनलाइन कर दिए हैं। कॉलेजों की पंजीयन प्रक्रिया भी आसान बनाई है।

**नामांतरण और बंटवारे की प्रक्रिया आसान बनाई-** सीएम मोहन यादव ने कहा कि साइबर तहसील के माध्यम से नामांतरण और बंटवारे की प्रक्रिया आसान बनाई है। जमीन की रजिस्ट्री कराते ही जमीन अपने आप नामांतरित हो जाएगी। श्रीअन्न योजना के तहत 1 हजार रुपए, धान गेहूं और सोयाबीन के लिए एमएसपी, एक लाख सोलर प्लांट के जरिए किसानों के कल्याण की योजना बनाई है। इंदौर में हुकुचंद मिल के सालों पुराने विवाद को हमने सुलझाने का काम किया। न सिर्फ हुकुमचंद मिल, बल्कि प्रदेश में जहां भी ऐसे विवाद चल रहे हैं, हम उन्हें इसी मॉडल के के जरिए सुझाने का प्रयास करेंगे।

**काली-सिंध नदी परियोजना का मामला सुलझाया-** सीएम मोहन यादव ने कहा कि काली-सिंध नदी परियोजना का मामला भी सुलझा लिया गया है। इससे आगर-मालवा से लेकर श्योपुर तक ग्वालियर चंबल और मालवा के कई जिलों को फायदा होगा। राजस्थान, मध्य प्रदेश और केंद्र की मदद 70 हजार करोड़ की इस परियोजना को मूर्तरूप देने जा रहे हैं। हम राज्य के अंदर की नदियों को भी जोड़ेंगे। इंदौर-उज्जैन संभाग में खान और गंभीर, क्षिप्रा संरक्षित करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी ने नदी जोड़ो परियोजना की परिकल्पना की थी। हमारी सरकार उनकी इस परिकल्पना को जमीन पर उतारने जा रहे हैं। केन-बेतवा परियोजना में फॉरेस्ट लैंड को लेकर कुछ परेशानी थी। जिसे दूर कर लिया गया है। अटलजी की जयंती पर 25 दिसंबर को ही इसकी आधारशिला रखेंगे। इससे यूपी और एमपी के 11 जिलों को फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, आज प्रदेश में 7 पार्षदों के चुनाव हुए हैं। 6 जगह भाजपा ने जीत दर्ज की है। बैतूल में जरूर हम चूक गए। भाजपा की इस जीत के लिए भाजपा संगठन और वीडी शर्मा जी को बधाई दूंगा।

### रिपोर्ट कार्ड में ये बड़ी उपलब्धियां

-सीएम ने कहा कि हमने इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4800 मजूदरों की लंबित राशि 224 करोड़ रुपए का भुगतान करवाया।
-स्वामित्व योजना के 24 लाख लोगों को भू-अधिकार का पत्र मिला।
-पीएम आवास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 36 लाख और शहरी क्षेत्रों में 8 लाख लोगों के घर का सपना साकार हुआ।
-प्रदेश में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को कुलगुरु का दर्जा दिया गया है।
-सभी शासकीयों विभागों में लगभग एक लाख पदों पर भर्तियां की जा रही हैं। अगले पांच साल में ढाई लाख भर्तियां होंगी।
-55 जिलों में पीएम श्री एक्सीलेंस कॉलेज की शुरुआत की गई।
-शासकीय नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 फीसदी रिजर्वेशन किया गया है।
-प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 6 रिजनल इंडस्ट्री समिट का आयोजन किया गया। इससे कुल 2.07 लाख करोड़ निवेश के प्रस्ताव आए हैं।
-एक साल में मध्य प्रदेश में जितने भी निवेश के लिए प्रयास किए गए हैं, उनसे कुल 4 लाख करोड़ रुपए निवेश के प्रस्ताव आए हैं।
-श्रीकृष्ण पाथेय न्यास के गठन को स्वीकृति दी गई है। उज्जैन में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की स्थापना की गई।
-1450 किमी लंबे श्रीराम वन गमन पथ निर्माण का निर्णय लिया गया है।
-नामांतरण और बंटवारा की प्रक्रिया को ऑनलाइन की गई है।
-संपत्ति की ई-पंजीयन और ई-स्टेम्पिंग के माध्यम से रजिस्ट्री हेतु संपदा 2.0 शुरू किया गया।
-भोपाल में बीआरटीएस कॉरिडोर हटाने का निर्णय लिया गया है।
-चिकित्सा शिक्षा विभाग और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का विलय किया गया।
- एमपी में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए मप्र सरकार और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच एमओयू हुआ है।
-भोपाल में रातापानी आठवां टाइगर रिजर्व बना है। हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए एमपी ने 11 लाख से अधिक पौधे लगाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया।

## सुप्रीम फैसला... उत्पीड़न को ही आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं मान सकते

**नई दिल्ली।** बेंगलुरु में एक इंजीनियर द्वारा पत्नी और ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या करने का मामला देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा और अहम फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में किसी को दोषी ठहराने के लिए केवल उत्पीड़न करना ही पर्याप्त कारण नहीं है बल्कि इसके लिए स्पष्ट सबूत होने चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने यह टिप्पणी, गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर अपना फैसला सुनाते हुए की। इस याचिका में एक महिला को कथित रूप से परेशान करने और उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में उसके पति और उसके सास-ससुर को आरोपमुक्त करने की मांग की थी। महिला की आत्महत्या के मामले में महिला के पति और उसके सास-ससुर के खिलाफ साल 2021 में भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए (विवाहित महिला के साथ क्रूरता करना) और धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाने) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसमें 10 साल तक की जेल और जुमार्ने का प्रावधान है। 10 दिसंबर को दिए अपने फैसले में पीठ ने कहा, आईपीसी की धारा 306 के तहत दोषसिद्धि के लिए यह एक स्थापित कानूनी सिद्धांत है कि दोषी का आत्महत्या को बढ़ावा देने का इरादा होना चाहिए और सिर्फ उत्पीड़न ही आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है। पीठ ने कहा कि ऐसे मामलों में केवल अनुमान ही नहीं लगाया जा सकता और इसके पुख्ता सबूत होने चाहिए। पीठ ने तीनों लोगों को धारा 306 के तहत आरोप से मुक्त कर दिया, लेकिन अदालत ने आईपीसी की धारा 498-ए के तहत अपीलकताओं के खिलाफ आरोप को बरकरार रखा। पीठ ने कहा कि महिला की शादी 2009 में हुई थी और शादी के पहले पांच साल तक दंपति को कोई बच्चा नहीं हुआ, जिसके कारण उसे कथित तौर पर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। पीठ ने आगे कहा कि अप्रैल 2021 में महिला के पिता को सूचना मिली कि उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 306 और 498-ए के तहत आरोप तय करने के सत्र न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा था।

## ‘एक राष्ट्र एक चुनाव’ विधेयक को मिली केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी!

**नई दिल्ली।** संसद के शीतकालीन सत्र के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की अहम बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक को मंजूरी दे दी। अब केंद्र सरकार शीतकालीन सत्र में इसे सदन में पेश कर सकती है। इससे पहले एक देश, एक चुनाव पर बनी कोविंद समिति की रिपोर्ट को 18 सितंबर को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिल गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले 2019 में 73वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक देश एक चुनाव के अपने विचार को आगे बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि देश के एकीकरण की प्रक्रिया हमेशा चलती रहनी चाहिए। 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भी प्रधानमंत्री ने इस पर विचार रखा। सरकार इस बिल पर आम सहमति बनाना चाहती है, लिहाजा संसद से बिल को चर्चा के लिए जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) के पास भेजा जाएगा। जेपीसी इस बिल पर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने 2019 के स्वतंत्रता दिवस पर एक देश एक चुनाव का जिक्र किया था। तब से अब तक कई मौकों पर भाजपा की ओर एक देश एक चुनाव की बात की जाती रही है। यह विचार इस पर आधारित है कि देश में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हों। अभी लोकसभा यानी आम चुनाव और विधानसभा चुनाव पांच साल के अंतराल में होते हैं। इसकी व्यवस्था भारतीय संविधान में की गई है। अलग-अलग राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल अलग-अलग समय पर पूरा होता है, उसी के हिसाब से उस राज्य में विधानसभा चुनाव होते हैं। हालांकि, कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होते हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम जैसे राज्य शामिल हैं। दरअसल, एक देश एक चुनाव की बहस 2018 में विधि आयोग के एक मसौदा रिपोर्ट के बाद शुरू हुई थी। उस रिपोर्ट में आर्थिक वजहों को गिनाया गया था।

## दंतेवाड़ा में नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ सात माओवादी ढेर

**दंतेवाड़ा।** छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के सीमा में गुरुवार की सुबह नक्सलियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में दोनों ओर से रुक-रुककर गोलियां चलीं। अब तक मुठभेड़ में 12 वर्दीधारी नक्सली मारे गए हैं। पुलिस नक्सलियों की फायरिंग का मुंहतोड़ जवाब दे रही है। बताया जा रहा है कि नक्सल विरोधी सर्च अभियान में नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, कोंडागांव जिले की डीआरजी के साथ एसटीएफ-सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में रवाना हुई थी। जहां गुरुवार की सुबह तीन बजे से संयुक्त सुरक्षा बलों की टीम और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ चली। वहीं, नक्सलियों के द्वारा की जा रही गोलीबारी का पुलिस जवानों के द्वारा मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, नारायणपुर में नक्सल विरोधी अभियान चल रहा था, जिसमें हमारे सुरक्षा बलों ने 12 नक्सलियों को मार गिराने में सफलता पाई है। मैं उनकी बहादुरी को नमन करता हूं।

## सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बने ग्रैंड मास्टर गुकेश डोमराजू

**नई दिल्ली।** ग्रैंड मास्टर गुकेश डोमराजू ने इतिहास रच दिया, वे सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने 14वें और अंतिम गेम में चीन के डिंग लिरेन को हराया। 6.5 अंकों के साथ खेल की शुरूआत करते हुए अंतिम मैच भी ड्रॉ की ओर बढ़ता दिख रहा था। हालांकि, डिंग लिरेन की एक आखिरी गलती ने गुकेश डी को जीत दिला दी और वे दुनिया के सबसे युवा चेस चैंपियन बन गए। 12 साल के बाद किसी भारतीय ने यह खिताब जीता है। गुकेश डी ने 18 साल 8 महीने और 14 दिन की उम्र में 12 दिसंबर 2024 को वर्ल्ड चैंपियन का खिताब अपने नाम किया है। वे इस चैंपियनशिप को जीतने वाले सबसे युवा हैं। उनसे पहले ये रिकॉर्ड रूस के गैरी कास्पारोव के नाम था। उन्होंने 22 साल 6 महीने और 27 दिन की उम्र में 9 नवंबर 1985 को वर्ल्ड चैंपियन का खिताब अपने नाम किया था। दिग्गज चेस प्लेयर मैग्नस कार्लसन का नाम इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर आता है। इस तरह किसी खिलाड़ी को कास्पारोव का रिकॉर्ड तोडने़ में 39 साल लगे हैं।

## टाइम मैगजीन ने डोनाल्ड ट्रम्प को 2024 के लिए पर्सन ऑफ द ईयर चुना

**न्यूयॉर्क।** टाइम मैगजीन ने गुरुवार को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को 2024 के लिए पर्सन ऑफ द ईयर चुना। साल 2016 के बाद यह दूसरा मौका है, जब ट्रम्प को पर्सन ऑफ द ईयर चुना गया है। टाइम पर्सन ऑफ द ईयर किसी को भी चुना जा सकता है, जरूरी नहीं कि उसने अच्छे काम किए हों। पर्सन ऑफ द ईयर बनने के बाद अब ट्रम्प न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज के ट्रेडिंग डे की शुरुआती बेल बजाई। यह किसी भी इंसान के लिए बड़े सम्मान की बात मानी जाती है। इस साल के पुरस्कार के लिए के लिए ट्रम्प, कमला हैरिस, इलॉन मस्क, बेंजामिन नेतन्याहू और वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन के बीच मुकाबला था। डोनाल्ड ट्रम्प और टाइम मैगजीन के बीच तल्खी भरे रिश्ते रहे हैं। ट्रम्प कई बार इसकी आलोचना कर चुके हैं। 2012 में उन्होंने कहा था कि टाइम मैगजीन ने उन्हें 100 सबसे शक्तिशाली लोगों में शामिल न करके सारी विश्वसनीयता खो दी है।

# खजराना गणेश की दानपेटियां खुली, एक करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर। इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर की दानपेटियां खुल गई हैं और नोटों की गिनती मंदिर प्रबंधन समिति ने शुरू कर दी है। दान पेटियों में से विदेशी मुद्रा व सोने-चांदी के आभूषण भी निकल रहे हैं। जिनकी जांच कर लॉकर में रखा जा रहा है, जबकि प्राप्त चढ़ावे को मंदिर के बैंक खाते में जमा किया जा रहा है। इस बार की गिनती में चढ़ावे की राशि एक करोड़ रुपए से अधिक की होने की उम्मीद है। खजराना मंदिर की दान पेटियां मंदिर प्रबंधन समिति ने खुलवाई हैं। 23 कर्मचारी नोटों की गिनती में जुटे हैं। दान पेटियों में से डॉलर, सोने के आभूषण और भगवान को भक्तों के द्वारा मनोकामना लिखी गई पर्चियां भी मिल रही हैं। इसके पहले यह गिनती अगस्त 2024 में की गई थी। तब दान पेटियों से एक करोड़ 75 लाख रुपए का दान निकला था।

**कराई जा रही वीडियोग्राफी**
43 दान पेटियों में निकले नोटों की गड्डियां जमाने के साथ नोट गिनने की मशीन से गिनती भी हो रही है। इसकी वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है। तीन दिन में कुल 75 लाख रुपये दानपेटियों से निकल चुके है। जिन्हे मंदिर के पंजाब नेशनल बैंक के खाते में जमा कराए गए है। नोटों की गिनती तीन दिनों तक और चलेगी।
दानपेटियों में एक करोड़ से अधिक की राशि मिलने की उम्मीद है। मंदिर की दानपेटियां तीन से चार माह में खोली जाती है।

खजराना गणेश मंदिर के मुख्य पुजारी पं. अशोक भट्ट ने बताया कि मंदिर की दान पेटियों से निकली राशि की गणना की जा रही है। अब तक 75 लाख रुपए से ज्यादा की राशि प्राप्त हुई है। पूरा पैसा मंदिर के अकाउंट में जमा करा दिया गया है। सभी दान पेटियों और चिल्लर की गिनती पूरी होने में दो से तीन दिन का समय और लग सकता है।

**तीन दिन में इतनी राशि मिली**
-9 दिसंबर को दानपेटियों से 43 लाख 88 हजार रुपए निकले
-10 दिसंबर को 10 लाख रुपए निकले
-11 दिसंबर को 22 लाख रुपए निकले
-12 दिसंबर तक 43 में से 35 दान पेटियों की गिनती पूरी हो चुकी है
-8 दान पेटियों की गिनती अगले दो से तीन दिन में कर ली जाएगी

**सोने की चेन और चांदी की सिल्लियां निकली**
मंदिर में हर साल लाखों की संख्या में भक्त आते हैं। एनआरआई भक्त जिस देश से आते हैं वहां की मुद्रा भी यहां दान के रूप में चढ़ाते हैं। दान की यह गणना मंदिर प्रबंध समिति, पंजाब नेशनल बैंक और नगर निगम कर्मचारियों की मौजूदगी में की जा रही है। दान पेटियों में अब तक सोने की चेन और चांदी की सिल्लियां निकली हैं। अमेरिका, दुबई सहित अन्य देशों की मुद्राएं भी मिली हैं।लोग दान राशि के अलावा गणपति बप्पा को मनोकामना पूर्ण होने की पर्चियां भी खिलते है। जिसमें नौकरी लगने, प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने, शादी होने, व्यापार में लाभ होने जैसी मनोकामना लिखी होती है। कई भक्त तो किसी बड़ी डील में भगवान को अपना पार्टनर भी बना लेते है और फायदा होने पर तय प्रतिशत के हिसाब से राशि मंदिर में चढ़ा देते हैं।

# भाजपा के ग्रामीण मंडल अध्यक्ष घोषित शहरी मंडलों की सूची अटकी

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर। इंदौर में भारतीय जनता पार्टी में भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे विधानसभा के मंडलों में अपनी टीम तैयार नहीं कर पाए। 36 मंडलों में अध्यक्षों की सूची पर मंथन गुरुवार को भी जारी रहा और सूची घोषित नहीं हो पाई, जबकि ग्रामीण भाजपा ने सभी मंडलों में अपने अध्यक्ष तय कर लिए है और शाम को सूची भी घोषित हो गई। भाजपा के मंडल अध्यक्ष पद पर क्षेत्रीय विधायक अपनी पसंद के नेता बैठाना चाहते है, लेकिन कुछ मंडलों पर दूसरे जनप्रतिनिधियों का भी दबाव है। तीन,पांच और चार नंबर विधानसभा क्षेत्र में ज्यादा माथापच्ची चल रही है। दो नंबर विधानसभा क्षेत्र में विधायक रमेश मेंदाला ने जिन नामों का आगे बढ़ाया है, उस पर कोई विवाद सामने नहीं आया। इस क्षेत्र के सभी मंडलों के नामों पर बुधवार रात रायशुमारी की बैठक में सहमति बन गई। एक नंबर विधानसभा क्षेत्र में पुराने मंडल अध्यक्ष फिर से पद चाहते है, लेकिन क्षेत्रीय विधायक व मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नए चेहरों को मौका देने की पैरवी की है। तीन नंबर विधानसभा क्षेत्र में गोपी नेमा,आकाश विजयवर्गीय के समर्थक भी मंडल अध्यक्ष पद के लिए जोर लगा रहे है,जबकि विधायक गोलू शुक्ला अपनी टीम बनाने पर जोर दे रहे है।
इस विधानसभा के एक मंडल में सहमति नहीं बन पा रही है। पांच और चार नंबर विधानसभा क्षेत्र में सांसद शंकर लालवानी और पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन से जुड़े नेता भी मंडल अध्यक्ष बनना चाहते है,जबकि महेंद्र हार्डिया अपनी पुरानी टीम पर ही भरोसा कर रहे है।

**ग्रामीण क्षेत्र के सभी 16 जिलों में मंडल अध्यक्ष घोषित**
भाजपा जिलाध्यक्ष चिंटू वर्मा ने सांवेर मंडल में तुफान सिंह, पालिया मंडल में शिवपाल चावड़ा,शिप्रा मंडल में रवि वाजपेयी,खुडैल मंडल में विष्णु चौधरी, कोदरिया मंडल में महेश यादव, महू मंडल में रुपेश वाघमोड़े, महूगांव मंडल में मुकेश पाटीदार, मानपुर मंडल में संजय मीणा, देपालपुर मंडल में देवकरण दरबार, गौतमपुरा मंडल में राजू जाट, बेटमा में सोहन सिंह चौहान, हातोद मंडल में सुनील जाधव, राऊ में सुरेंद्र मंडले, राऊ ग्रामीण मंडल में रवि चौधरी और राऊ के पाटीदार मंडल में मुरली व्यास को मंडल अध्यक्ष बनाया है।

शहर के सभी मंडलों के नामों की रायशुमारी पूरी बुधवार को इंदौर शहर के सभी 36 मंडलों के नामों की रायशुमारी पूरी हो गई है। इनमें 6 नए, तो 28 पुराने हैं। आखिरी रायशुमारी रात 9 बजे तक 2 नंबर विधानसभा की चली। इसके बाद सभी पैक लिफाफों को लेकर प्रदेश महामंत्री और चुनाव प्रभारी रणवीरसिंह रावत, सहप्रभारी घनश्याम शेर, उमाशशि शर्मा के बीच भाजपा कार्यालय में ही चर्चा चलती रही। वैसे संगठन ने निर्देश दिए हैं कि इस बार विधायकों के किसी समर्थक को मंडल अध्यक्ष नहीं बनाना है, लेकिन सूत्रों के अनुसार औपचारिकता के चलते विधायकों से भी रायशुमारी में आए नामों के पैनल के बारे में राय ली गई है। सांसद और बड़े जनप्रतिनिधियों से उनके क्षेत्र में बनाए जा रहे मंडल अध्यक्षों की जानकारी मांगी है।
बड़े नेता अपने समर्थकों के नाम जुड़वाने में लगे इस बार हर विधानसभा में कुछ न कुछ कारण से मंडल अध्यक्षों की पैनल बनाने में परेशानी आई है। अभी बनने वाली मंडल की टीम आगामी चुनावों में खास भूमिका निभाएगी, इसलिए भी कई बड़े नेता अपने समर्थकों के नाम मंडल में जुड़वाने में लगे हुए हैं। भाजपा कार्यालय पर चुनावी टोली अंतिम सूची तैयार करने में लगी है और दावा किया जा रहा है कि इसी सूची पर मंजूरी हुई तो भोपाल से सहमति के बाद इसे जारी कर दिया जाएगा। अगर नामों में कुछ पेंच फंसता भी है तो इसे होल्ड कर दिया जाएगा।

**कई निकायों में महिला अध्यक्ष नहीं मिली**
बुधवार रात एक के बाद एक उज्जैन, नीमच, मंडल, शाजापुर और देवास जिले के मंडल अध्यक्षों की सूची जारी की गई। इस बार संगठन ने निर्देश दिए थे कि 33 प्रतिशत महिलाओं को मंडल अध्यक्ष बनाया जाएं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कई निकायों में महिला अध्यक्ष नहीं मिली। केवल नीमच जिले के एक मंडल में पूजा शर्मा नाम की कार्यकर्ता को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। बाकी जिलों में पुरुषों को ही प्राथमिकता दी गई। अब इंदौर जैसे जिले में कितनी महिला अध्यक्ष मिलती हैं, यह गौरतलब होगा।

**शिकवा-शिकायतें होती रहीं**
बताया जा रहा है कि एक नंबर विधानसभा में सभी मंडल अध्यक्ष बदले जा रहे हैं। कुछ पुराने अध्यक्षों ने पद पर बने रहने की इच्छा जताई थी, लेकिन संगठन ने नामंजूर कर दिया। दो नंबर के एक मंडल में कल रायशुमारी के पहले घमासान चला। एक नाम के विरोध के चलते शिकवा-शिकायतें होती रहीं। तीन नंबर में भी एक दो नाम रिपीट हो सकते हैं और दो मंडल में नए नाम आ सकते हैं। चार नंबर में पूर्व मंडल अध्यक्ष सचिन जैसवानी ने रायशुमारी में नहीं बुलाने की शिकायत की। जैसवानी और गौड़ परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा है। पांच नंबर में सभी के बदलने के आसार हैं तो राऊ में भी लगभग यही स्थिति है।

# महिला भिक्षुक के पास से मिले 75 हजार रुपए, हफ्तेभर की कमाई ने उड़ाए होश

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर। इंदौर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाए जा रहे भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के तहत एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। विभाग की टीम ने जब एक महिला भिक्षुक को रेस्क्यू किया, तो उसके पास से 74,768 रुपये की नकदी मिली, जिससे सभी हैरान रह गए। यह घटना शहर को भिक्षावृत्ति मुक्त करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के तहत उजागर हुई। कुछ दिनों पहले कलेक्टर आशीष सिंह ने इंदौर को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के निर्देश दिए थे। इसके तहत महिला एवं बाल विकास विभाग ने विशेष अभियान चलाया। इस दौरान अब तक 300 से अधिक भिक्षुकों को रेस्क्यू कर उज्जैन के सेवाधाम आश्रम में पुनर्वास के लिए भेजा गया है। अभियान की इसी कड़ी में बुधवार को विभाग के दिनेश मिश्रा और उनकी टीम ने बड़ा गणपति और राजवाड़ा क्षेत्र में रेस्क्यू अभियान चलाया। इस दौरान एक महिला को शनि मंदिर के सामने भिक्षावृत्ति करते हुए पकड़ा गया। जब टीम ने महिला की तलाशी ली, तो उसके पास विभिन्न मूल्यों के नोट मिले।
महिला के पास से 1 रुपये से लेकर 500 रुपये तक के नोट पाए गए। इनमें 100 रुपये के 423 नोट (42,300 रुपये), 50 रुपये के 174 नोट (8,700 रुपये), 20 रुपये के 305 नोट (6,100 रुपये), 10 रुपये के 280 नोट (2,800 रुपये), 200 रुपये के 18 नोट (3,600 रुपये) और 500 रुपये के 22 नोट (11,000 रुपये) शामिल थे। पूछताछ के दौरान महिला ने बताया कि यह राशि उसकी एक हफ्ते की कमाई है। उसने यह भी खुलासा किया कि हर 10-15 दिनों में वह भिक्षावृत्ति से इतनी रकम इकट्ठा कर लेती है। रेस्क्यू के बाद महिला को उज्जैन के सेवाधाम आश्रम में भेजा गया, जहां उससे विस्तृत पूछताछ की जा रही है।
इस घटना ने भिक्षावृत्ति से जुड़े कई अहम सवाल खड़े किए हैं। यह केवल गरीबी का परिणाम नहीं, बल्कि एक नियमित आय का साधन भी हो सकता है। इसके साथ ही यह घटना सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता पर भी जोर देती है। बिना सोचे-समझे दान देने की प्रवृत्ति भिक्षावृत्ति को बढ़ावा देती है। इसे रोकने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

# एक ही रात में दो युवकों की रहस्यमयी मौत, हार्ट अटैक की आशंका

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर। इंदौर के लसूड़िया क्षेत्र में एक निजी आईटी कंपनी के इंजीनियर की अचानक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि स्कीम नंबर 78 में रहने वाले 29 वर्षीय योगेश नानेरे, पुत्र रवि नानेरे, रात में अपने डॉग को खाना देने के लिए बाहर निकले थे। इसी दौरान उन्हें अचानक सीने में तेज दर्द हुआ। उन्होंने अपनी मां को आवाज दी, जिसके बाद परिवार के सदस्य तुरंत हरकत में आए और उन्हें नजदीकी निजी अस्पताल लेकर गए। वहां से डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए उन्हें एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि, उपचार के दौरान योगेश की जान नहीं बचाई जा सकी। योगेश एक आईटी कंपनी में इंजीनियर थे और लंबे समय से वर्क फ्रॉम होम कर रहे थे। परिवार ने बताया कि उस रात वह अपनी कंपनी की ऑनलाइन मीटिंग कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने अपने डॉग को खाना देने का फैसला किया। प्राथमिक जांच में हार्ट अटैक को उनकी मौत का कारण माना जा रहा है। योगेश की शादी 25 फरवरी को तय थी और परिवार तैयारियों में जुटा हुआ था। उनकी मौत से परिवार पर गहरा आघात लगा है। योगेश के परिवार में माता-पिता, एक छोटी बहन और छोटा भाई है। दूसरी घटना में सदर बाजार क्षेत्र में रहने वाले 27 वर्षीय करण चौहान, पुत्र हुकुमचंद चौहान, की भी अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। करण ई-रिक्शा चालक थे और जूना रिसाला क्षेत्र के निवासी थे। उनके भाई ने बताया कि करण को रात में अचानक बेचैनी महसूस हुई, जिसके बाद उन्हें एमवाय अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। करण के परिवार में उनकी पत्नी, एक साल की बेटी, माता-पिता और छोटा भाई है। पुलिस ने बताया कि करण की मौत का संभावित कारण भी हार्ट अटैक हो सकता है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और मौत के सही कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

# शहर काजी बोले नशा बेचने वालों के नाम बताओ टांगे तोड़ना मुझे आता है

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर। इंदौर में शहर काजी डॉ. इशरत अली का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने नशे के खिलाफ सख्त संदेश दिया है। वीडियो के अनुसार, वे खजराना क्षेत्र में शासकीय उर्दू स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खजराना इलाका नशे के व्यापार के कारण बदनाम हो चुका है। यहां खुलेआम नशा बेचा जा रहा है। शहर काजी ने वहां मौजूद लोगों से अपील की कि नशा बेचने वालों के नाम उन्हें बताएं। उन्होंने आश्वासन दिया कि नाम बताने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

**नशा बेचने वालों की टांगे तोड़ दूंगा मैं**
शहर काजी ने अपने सख्त रुख को व्यक्त करते हुए कहा, नशा बेचने वालों की टांगे तोड़ना मुझे आता है। आप मुझे नाम बताइए, मैं आगे कार्रवाई करूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए समाज के जागरूक लोगों को आगे आना होगा। खजराना में बढ़ते नशे के व्यापार पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि पुलिस तब तक कार्रवाई नहीं कर सकती जब तक उसे नशा बेचने वालों की जानकारी न मिले। इसलिए समाज के जिम्मेदार नागरिकों को इस दिशा में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।
डॉ. इशरत अली ने बताया कि यह बयान

खजराना में नशे की समस्या को लेकर था। उन्होंने कहा कि स्कूल के कार्यक्रम में कई जिम्मेदार लोग मौजूद थे, और इसी संदर्भ में उन्होंने अपनी बात रखी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस ही कार्रवाई करेगी, लेकिन इसके लिए समाज को नशा बेचने वालों की पहचान करने और नाम बताने में सहयोग करना होगा। उन्होंने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का समर्थन किया और कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में सभी को मिलकर काम करना चाहिए। इस तरह सामूहिक प्रयास से ही खजराना और अन्य क्षेत्रों में नशे के व्यापार को समाप्त किया जा सकता है। शहर काजी का यह बयान समाज को नशे जैसी समस्या के प्रति जागरूक करने और इसके खिलाफ एकजुट होकर कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है।

# नगर निगम ने हटाए कई दुकाने के शेड, ओटलेर और रेलिंग

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर। नगर निगम की टीम ने गुरुवार को कई जगह अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। अलग-अलग जगहों पर हुई कार्रवाई में कई दुकानों के बाहर से शेड और ओटलों को हटाया गया। इंदौर के ट्रैफिक को बेहतर करने के उद्देश्य से सड़क किनारे और फुटपाथ पर शेड, बोर्ड और बेचने की सामग्री रखकर किए गए अतिक्रमण को हटाया जा रहा है। गुरुवार को जोन 5 और 6 में आने वाले पाटनीपुरा चौराहा से अनूप टॉकीज के बीच कार्रवाई की गई। 50 से अधिक शेड, बोर्ड हटाने की कार्रवाई की। कार्यवाही में भवन अधिकारी सुबीर गुलवे, अभिषेक सिंह, जोनल अधिकारी लोकेश शर्मा, भवन निरीक्षक हेमंत शितोले मौजूद रहे। जोन 22 में जोनल अधिकारी ने बांबे हॉस्पिटल चौराहे से गुलाबबाग पेट्रोलपंप तक फुटपाथ पर 25 टीन शेड, 15 ओटले, रेलिंग, 19 बोर्ड और दूसरे अतिक्रमण हटाए। इसमें दो ट्रक सामान जब्त किया गया। इस कार्रवाई में जोनल अधिकार शिवराज सिंह यादव, भवन निरीक्षक हिमांशु ताम्रकार, रिमूवल विभाग के मुकेश खरे मौजूद थे। जोन 16 में 60 फीट रोड पर दुकानों के बाहर टीन शेड, ओटले और फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया और अपर कलेक्टर ज्योति शर्मा के निर्देशन में नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की टीम ने दुकान पर लगे हुए 55 टीन शेड, 10 ओटले और 15 फुटपाथ पर बने पक्के निर्माण का हटाया। इस संयुक्त कार्रवाई में डिप्टी कलेक्टर सीमा मौर्य, नगर निगम जोनल और भवन अधिकारी दीपक गरगटे, भवन निरीक्षक आदित्य तिवारी, सहायक उपनिरीक्षक जयप्रकाश तिवारी सहित निगम की टीम और ट्रैफिक की टीम मौजूद थी।

# स्वच्छ भारत के साथ, स्वस्थ भारत...तीन दिनी जैविक-मिलेट्स उत्सव आज से

**सिटी चीफ इंदौर।**
**इंदौर।** इंदौर में जैविक महोत्सव एवं मिलेट्स उत्सव का आयोजन 13 से 15 दिसंबर तक ग्रामीण हाट बाजार, ढक्कनवाला कुआं में किया जाएगा। यह आयोजन स्वच्छ भारत के साथ, स्वस्थ भारत की थीम पर आधारित होगा। महोत्सव में जैविक और प्राकृतिक खेती पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिसमें मुख्य रूप से गौ आधारित खेती, जैविक जीवन शैली और स्वस्थ भोजन पर परिचर्चा आयोजित की जाएगी। साथ ही, मिलेट्स फसलों को भोजन में शामिल करने और उनके लाभों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। यह आयोजन किसानों और ग्राहकों के बीच एक सेतु का काम करेगा, जिससे ग्राहकों को रसायन मुक्त कृषि उत्पाद प्राप्त हो सकेंगे और किसानों को मिलेट्स फसलों का उचित मूल्य मिल सकेगा। महोत्सव में जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी के साथ-साथ मिलेट्स से बने उत्पादों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। आगंतुकों को स्वादिष्ट जैविक और मिलेट्स से बने भोजन व व्यंजन का आनंद लेने और खरीदारी करने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त, निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श, दवाएं और जांच सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी।

# मप्र में 'नल जल' को लेकर केंद्र की रिपोर्ट...गांवों में नल तो है लेकिन पानी नहीं

**सिटी चीफ भोपाल।**
भोपाल। मध्यप्रदेश में नल जल योजना की हकीकत कुछ और ही है। केंर्द्र सरकार के एक सर्वे में पता चला है कि कई घरों में नल कनेक्शन तो कागजों में है लेकिन हकीकत में पानी नहीं आ रहा। करीब 28त्न घरों में पानी दूषित मिला है। यह चिंताजनक है क्योंकि इस साल राज्य में दस्त से तीन दर्जन से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। एमपी पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के इंजीनियर इन चीफ केके सोंगरिया ने इसे आंखें खोलने वाला बताया है। उन्होंने और व्यापक सर्वेक्षण के आदेश दिए हैं। हालांकि, उनका कहना है कि दस्त से हुई मौतों का दूषित पानी से कोई संबंध नहीं है। नल जल योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसका उद्देश्य देश के हर घर तक पीने का साफ पानी पहुंचाना है। योजना के तहत, हर घर में नल का पानी पहुंचने पर गांव को 'हर घर जल' (एचजीजे) गांव घोषित किया जाता है।

**केंद्र सरकार ने किया 1271 घरों का सर्वे**
इस साल अगस्त में, केंद्र सरकार ने 1,271 एचजीजे गांवों के 15,244 घरों में 'कार्यक्षमता मूल्यांकन परीक्षण' किया। नतीजे चौंकाने वाले थे। सर्वे में पाया गया कि एचजीजे-प्रमाणित गांवों के 617 घरों में नल कनेक्शन ही नहीं था। 3,950 परिवारों ने बताया कि उन्हें एक हफ्ते से ज्यादा समय से पानी नहीं मिला था। यह भी तब जब बारिश का मौसम था। सर्वेक्षण में शामिल 13 एचजीजे गांवों में, निरीक्षण के लिए चुने गए एक भी घर में नल कनेक्शन नहीं पाया गया।

**पानी भी प्रदूषित**
सर्वेक्षण का एक और चौंकाने वाला पहलू यह था कि 778 एचजीजे गांवों के 1,522 घरों में से 423 (27.8त्न) घरों से एकत्र किए गए पानी के नमूने 'सूक्ष्मजीवविज्ञानी मानकों' पर खरे नहीं उतरे। यानी, इन घरों में नल के जरिये दूषित पानी की आपूर्ति की जा रही थी।

**चौंकाने वाले हैं ये खुलासे**
इस मुद्दे पर एमपी पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के इंजीनियर इन चीफ केके सोंगरिया ने कहा कि सर्वेक्षण आंखें खोलने वाले होते हैं। इस तरह के आकलन का उद्देश्य समस्याओं का मूल्यांकन करना और पता लगाना होता है। अगर सब कुछ सही होता, तो ऐसे सर्वेक्षणों की कोई जरूरत नहीं होती। उन्होंने आगे कहा कि हमने सभी जिलों के अधिकारियों को इन निष्कर्षों की जांच करने और सुधारात्मक उपाय करने के निर्देश जारी किए हैं।

**यह सर्वेक्षण कुछ ही घरों तक सीमित**
एमपी पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के इंजीनियर इन चीफ केके सोंगरिया के मुताबिक यह सर्वेक्षण कुछ ही घरों तक सीमित है। हमने अन्य गांवों और घरों के सर्वेक्षण के भी निर्देश दिए हैं। जिन घरों में पानी के नमूने फेल हुए हैं, वहां फिर से नमूने लेकर हमारी प्रयोगशालाओं में जांच की जानी चाहिए। निष्कर्षों के आधार पर, बाद में सुधारात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। हम नियमित रूप से नमूनों का परीक्षण करते हैं।
इस साल दस्त से हुई मौतों के बारे में पूछे जाने पर, सोंगरिया ने कहा कि वे मौतें पानी के दूषित होने से संबंधित नहीं थीं। जब ऐसी रिपोर्ट मिलीं तो हमने उसका भी आकलन किया, लेकिन ज्यादातर मामलों में यह भोजन या अन्य कारणों से हुआ था।

**नल जल योजना में हैं कई गड़बड़ियां**
इस सर्वेक्षण से साफ है कि मध्यप्रदेश में नल जल योजना को जमीनी स्तर पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सैकड़ों घरों में नल कनेक्शन का अभाव और दूषित पानी की आपूर्ति गंभीर चिंता का विषय है। सरकार द्वारा तत्काल कदम उठाकर इन समस्याओं का समाधान करना जरूरी है ताकि लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके। स्वास्थ्य समस्याओं जैसे दस्त के मामलों को रोकने के लिए पानी की गुणवत्ता की नियमित निगरानी और सुधारात्मक कार्रवाई आवश्यक है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि नल जल योजना का लाभ सभी तक समान रूप से पहुंचे और इसका उद्देश्य पूरा हो। इसके लिए, अधिकारियों को सर्वेक्षण के निष्कर्षों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

# प्रदेशभर की आशा-ऊषा कार्यकर्ताओं ने भोपाल में किया प्रदर्शन

## एरियर सहित वर्षिक वेतन वृद्धि के भुगतान की मांग

**सिटी चीफ भोपाल।**
भोपाल। वार्षिक वेतन वृद्धि एक हजार का एरियर सहित भुगतान की मांग को लेकर गुरुवार को आशा, ऊषा कार्यकर्ता राजधानी भोपाल में प्रदर्शन करने पहुंची। आशा ऊषा कार्यकर्ताओं ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विधानसभा चुनाव से पहले जो वादे किए गए थे वह अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। हम सरकार से विनती करते हैं कि हमारी मांगे तत्काल पूरी की जाए अन्यथा हम बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन कर रही आशा ऊषा कार्यकर्ताओं ने वर्षिक वेतन वृद्धि का एरियर सहित भुगतान, प्रोत्साहन राशि का समय पर, बिना कटौती के नियमित रूप से भुगतान करने गैर विभागीय कार्य पर रोक लगाने, अधिकारियों द्वारा अनुचित व्यवहार को रोकने की मांग की है।

**आशा उषा कार्यकर्ताओं की मुख्य मांगे**
- आशा, ऊषा कार्यकर्ताओं को न्यूनतम वेतन 18000 रुपए दिया जाए।
- आशा, ऊषा कार्यकर्ताओं को नियमित कर्मचारी घोषित किया जाए।
- आशा, ऊषा को मोबाईल एवं रिचार्च इंटनेट डेटा दिया जाए।
- आशा, ऊषा की ड्यूटी का समय निश्चित किया जाए।
- आशा, ऊषा को रिटायर्ड होने पर 10,00,000 एकमुश्त राशि दी जाए, ताकी वृद्ध अवस्था मे वे अपना भरण पोषण अच्छे से कर पाएं।

**पूर्व सीएम की घोषणा अभी तक अधूरी**
आशा उषा कार्यकर्ता संगठन की प्रदेश का अध्यक्ष नर्मदा ठाकरे ने कहा कि विगत कई वर्षों से आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों को सेवाएं देती आ रही हैं। कोरोना काल में जिस प्रकार से अपनी जान की परवाह न करते हुए जन समुदाय के बीच वरदान साबित हुई है। एक बेहतर शासकीय सेवा देने में 24 घंटे तैयार रहती है, किन्तु दुर्भाग्य से कहना पड रहा है कि बहुत बार मांग करने के बावजूद पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान द्वारा 29 जुलाई को महा पंचायत मे वार्षिक वेतन 1000 रुपए की वृद्धि की घोषणा की गई थी। परन्तु आज इसको पूरा नहीं किया गया। यही वजह है कि हमें आंदोलन करने पर विवश होना पड़ा। मांगो को लेकर सरकार से आग्रह करते है कि हमारी मांग मानकार गौरवशाली इतिहास बनाए ।

**पूर्व सीएम ने की थी यह घोषणा**
एक साल पहले मध्यप्रदेश की आशा-उषा कार्यकर्ताओं के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कई घोषणाएं की थीं। उन्होंने भोपाल के लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित आशा-उषा कार्यकर्ताओं की महापंचायत को संबोधित करते हुए कहा था कि आशा-उषा कार्यकर्ताओं का मानदेय अब 2 हजार की जगह 6 हजार रुपए होगा। 5 लाख रुपए का हेल्थ इश्योरेंस भी दिया जाएगा। इसके साथ ही मानदेय में हर साल 1 हजार रुपए बढ़ाए जाएंगे ताकि बहनों को कोई दिक्कत नहीं हो। उन्होंने कहा था कि एसीएस यहां बैठे हैं। मैं इनको निर्देश देता हूं कि इंटेंसिव की प्रक्रिया को सरल किया जाए। इसे जिला स्तर पर नहीं बल्कि ब्लॉक स्तर पर ही किया जाए। जितनी मेहनत ये बहनें करती हैं, उसका पारिश्रमिक तो ढंग से मिले। रिटायरमेंट के बाद एक लाख रुपए दिए जाएं ताकि ये अपने भविष्य के लिए परेशान न हों।

# 20000 करोड़ का अनुपूरक बजट लाने की तैयारी में मध्यप्रदेश सरकार

**सिटी चीफ भोपाल।**
भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार आगामी शीतकालीन विधानसभा सत्र के दौरान 17 दिसंबर को करीब 20 हजार करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट पेश करने जा रही है। इस संबंध में कैबिनेट के सामने प्रेजेंटेशन भी दिया जा चुका है। शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा। इस साल राज्य का वार्षिक बजट जुलाई में पेश किया गया था, जिससे पहला अनुपूरक बजट पेश होने में देरी हुई। विधानसभा सत्र में सरकार का एक मुख्य उद्देश्य अनुपूरक बजट और विधेयक लाना होगा। वित्त विभाग ने अक्टूबर में अनुपूरक बजट की तैयारी शुरू कर दी थी। सभी विभागों को अनुपूरक बजट के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए। यह तय किया गया कि अनुपूरक बजट के लिए किस आधार पर प्रस्ताव भेजे जा सकते हैं। विभागों को नए वाहन खरीदने के संबंध में प्रस्ताव न भेजने को कहा गया। विभागों को यह भी बताने को कहा गया है कि ऋण और अनुदान के रूप में कितनी राशि मिलेगी। उन्हें यह बताना होगा कि विभागों ने इस राशि में से कितनी राशि खर्च की है, पिछले साल बजट अनुमान क्या था और अनुपूरक बजट कितना था। उन्हें अनुपूरक बजट के लिए अन्य विवरणों के अलावा यह भी बताना होगा कि विभाग ने बाहरी स्रोतों से कितना ऋण लिया।

**3 जुलाई को पेश हुआ था बजट**
सरकार ने 3 जुलाई को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 1,700 करोड़ रुपये के राजस्व अधिशेष के साथ 3,65,067 करोड़ रुपये का वार्षिक राज्य बजट पेश किया। आम चुनाव के कारण, इस साल फरवरी में सरकार ने पूर्ण बजट पेश नहीं किया और केंद्र सरकार की तर्ज पर वोट ऑन अकाउंट लाया।

**4 महीने वैलिड रहता है वोट ऑन अकाउंट**
वोट ऑन अकाउंट चार महीने (1 अप्रैल से 31 जुलाई) के लिए था। वोट ऑन अकाउंट का उद्देश्य अंतिम बजट को मंजूरी मिलने तक सरकारी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन को जारी रखने के लिए समेकित निधि से पैसा निकालना था। एमपी का दूसरा अनुपूरक बजट मार्च के आसपास मुख्य बजट के साथ लाया जाएगा।

# धीरेंद्र शास्त्री बोले- हिन्दुत्व बीमारी नहीं...यह दुनिया के लिए दवा है

**सिटी चीफ भोपाल।**
भोपाल। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने हिन्दुत्व को लेकर विवादित बयान दिया। इल्तिजा मुफ्ती के बयान के बाद सियासत तेज हो गई। बागेश्वर धाम पीठ के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इस मामले में इल्तिजा मुफ्ती को करारा जवाब दिया। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के जवाब का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में वे इल्तिजा मुफ्ती को मूर्ख कह रहे हैं। इसके साथ ही हिन्दुत्व क्या है इसके बारे में बता रहे हैं। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा ने कहा था कि हिंदुत्व एक बीमारी है, जिसने लाखों भारतीयों को बीमार किया है। यह भगवान के नाम को भी कलंकित कर रहा है। उनके इस बयान के बाद सियासत तेज हो गई। बीजेपी नेताओं ने बयान पर जमकर हंगामा किया। वहीं, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि उन्हें मेंटल हॉस्पिटल जाकर अपना इलाज कराना चाहिए। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री कह रहे हैं कि ये मूर्ख हैं, हिन्दुत्व बीमारी नहीं अपितु विश्व के लिए दवा है। हिन्दुत्व एख जीवन शैली है, हिन्दुत्व जीवन जीने की एक विचारधारा है। हिन्दुत्व इस संसार में एकता के लिए सबसे अति आवश्यक है। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि उन्होंने जो कहा है वह बहुत ही वाहियाद है। वे अपनी मानसिकता का इलाज कराएं, इनको मेंटल हॉस्पिटल में जाने की आवश्यकता है। इनको अपने दिमाग के इलाज की आवश्यकता है। हिन्दुत्व एक दवा है इस देश के लिए और पूरी दुनिया के लिए। हिंदुत्व वो है जो वसुधैव कुटुम्बकम की चर्चा करता है। हिंदुत्व वो है जो सब में राम देखता है। हिंदुत्व वो है जो नर में नारायण देखता है। हिंदुत्व वह है जो बेटी में गौरी देखता है। ये वो लोग हैं जो अपने चाचा और अब्बु से शादी कर लेती हैं, इनको शर्म नहीं आती है अपने मन से। इनको अपने मानसिक स्थिति की चेकिंग करानी चाहिए। धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने हिंदुओं से अपील की है कि आप लोग आगे आकर इस बात को पुरजोर तरीके से उठाओ ताकि ऐसे लोगों को पता चल सके कि हिंदुत्व बीमारी है या दवा।

# यात्रियों को मिली राहत, 28 ट्रेनों में अब 2 की बजाय हुए 4 जरनल कोच

**सिटी चीफ भोपाल।**
भोपाल। जनरल कोच में यात्रा करने वालों के लिए राहत की खबर है। रेलवे ने मध्यप्रदेश के स्टेशनों से चलने व गुजरने वाली 28 ट्रेनों में जनरल कोच की संख्या में इजाफा किया है। इन 28 ट्रेनों में अब 2 की बजाय 4 जनरल कोच होंगे। भोपाल रेल मंडल के प्रवक्ता नवल अग्रवाल ने बताया कि सामान्य कोच में सफर करने वाले रेल यात्रियों की संख्या को देखते हुए रेलवे ने यह निर्णय लिया है। इसके अलावा जनरल कोच में यात्रा करने वाले यात्री यूटीएस एप से अपने टिकट भी बुक कर सकते हैं।

**इन ट्रेनों में अब हो गए 4-4 जनरल कोच**
-19822/19821 कोटा-असारवा-कोटा एक्सप्रेस।
-19813/19814 कोटा-सिरसा-कोटा एक्सप्रेस।
-19807/19808 कोटा-सिरसा-कोटा एक्सप्रेस।
-12181/12182 जबलपुर-अजमेर-जबलपुर दयोदय एक्सप्रेस।
-22192/22191 जबलपुर-इंदौर-जबलपुर ओवर नाइट एक्सप्रेस।
-11464/11463 जबलपुर-सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस।
-11466/11465 जबलपुर-सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस।
-22181/22182 जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर गोंडवाना एक्सप्रेस।
-12192/12191 जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर श्री धाम एक्सप्रेस।
-12121/12122 जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर एमपी सम्पर्क क्रांति ।
-11449/11450 जबलपुर-श्री माता वैष्णव देवी कटरा-जबलपुर एक्सप्रेस।
-12194/12193 जबलपुर-यशवंतपुर-जबलपुर एक्सप्रेस।
-12189/12190 जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर महा कौशल एक्सप्रेस।
-12160/12159 जबलपुर-अमरावती-जबलपुर एक्सप्रेस गाड़ियां शामिल हैं।

**महाकुंभ मेले पर सोगरिया से बनारस स्पेशल ट्रेन**
यात्रियों की सुविधा के लिए महाकुम्भ मेला के अवसर पर अतिरिक्त यात्री भीड़ को क्लीयर करने के उद्देश्य से रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 09801 / 09802 कोटा के सोगरिया-बनारस-सोगरिया के मध्य 7-7 ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इस गाड़ी में 5 स्लीपर, 4 थर्ड एसी, 7 थर्ड एसी इकोनामी, 2 सेकेंड एसी, 2 सामान्य श्रेणी कोच, 1 एसएलआर एवं 1 जनरेटर कार सहित कुल 22 कोच होंगें।

# विधानसभा सत्र से पहले नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने बुलाई विधायकों की बैठक

**सिटी चीफ भोपाल।**
भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है। यह सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा। सत्र में कांग्रेस पार्टी सत्ता पक्ष को अलग-अलग मुद्दों पर घेरने का प्लान तैयार कर रही है। 16 दिसंबर को ही कांग्रेस प्रदेश व्यापी विधानसभा घेराव करेगी। इसे लेकर पीसीसी में दो दिन तक प्रदेश स्तरीय बैठक की जा चुकी है। हालांकि इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत कांग्रेस के कोई भी बड़े नेता नहीं पहुंचे थे। अब नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 15 दिसंबर को विधायकों की बैठक बुलाई है और साथ में डिनर भी करेंगे इस दौरान विधायकों के साथ रणनीति तैयार की जाएगी। इधर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी 16 दिसंबर को विधायकों को डिनर पर बुलाया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी के नेताओं में आपसी फूट लगातार देखने को मिल रही है। जीतू पटवारी को पीसीसी चीफ बनाए जाने के बाद

से कई बड़े नेता लगातर विरोध करते नजर आ रहे हैं। अब कांग्रेस के दो दिग्गज नेता कमलनाथ और उमंग सिंघार ने कांग्रेस विधायक और नेताओं को डिनर पर बुलाया है लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि यह डिनर दो अलग अलग दिन पर रखा गया है। जिसकी खबर सामने आने के बाद से एक बार फिर राजनीती गलियारों में हलचल तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 15 दिसंबर को भोपाल स्थित होटल पलाश में डिनर रखा है। तो वही कमलनाथ ने 16 दिसंबर को नेताओं और विधायकों को खाने का न्योता दिया है। जिसका आयोजन कमलनाथ के बंगले पर ही किया गया है। बता दें कि 16 दिसंबर से शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रहा है। जहां पर कांग्रेस पहले दिन ही विभिन मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ विधानसभा का घेराव करेगी। जिसको लेकर तैयारी भी शुरू कर दी गई है। अब देखने की बता यह है कि कांग्रेस की इस डिनर पॉलिटिक्स में क्या खिचड़ी पकती है।

# बीएमएचआरसी स्वास्थ्य केंद्र सुबह 8 से 4 की बजाय अब 9 से 5 तक खुलेंगे

**सिटी चीफ भोपाल।**
भोपाल। भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) के अधीन कार्यरत सभी आठ स्वास्थ्य केन्द्रों (मिनी यूनिट) का समय बदल गया हैं। सभी स्वास्थ्य केन्द्र अब रोज सुबह 8 बजे के बजाय 9 बजे से संचालित होंगे। साथ ही इन केंद्रों में अब अब दोपहर बाद 4 बजे के बजाय 5 बजे तक उपचार मिल सकेगा। स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों को बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए यह फैसला किया गया है। बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक सभी स्वास्थ्य केंद्रों का कार्यालयीन समय सुबह 8 बजे से 4 बजे तक है, जबकि बीएमएचआरसी का समय सुबह 9 बजे से 5 बजे तक है। ऐसे में लोगों को कई बार समय को लेकर दुविधा होती है। साथ ही सुबह 8 बजे से मरीजों को भी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचना आसान नहीं होता। इसी वजह से स्वास्थ्य केंद्रों और मुख्य अस्पताल का ओपीडी समय एक ही कर दिया हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य केंद्रों में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक पर्चे बनाए जाएंगे। मरीज अपनी सुविधानुसार किसी भी समय आकर डॉक्टर से परामर्श ले सकते हैं। 8 स्वास्थ्य केंद्र का समय बदला गया हैं, जिसमें कैंची छोला, स्टेशन बजरिया, चांदबड़, टीला जमालपुरा, गिन्नौरी, इतवारा रोड, करोंद और बाल विहार शामिल हैं।

सम्पादकीय

## नारेबाजी और हंगामे के चलते अखाड़ा बनकर रह गई है संसद

**संसद के दोनों सदनों में हंगामे, नारेबाजी की एक त्रिकोणीय स्थिति है। त्रिकोण के एक सिरे पर भाजपा, संभल, जॉर्ज सोरोस हैं। दूसरे सिरे पर अडानी समूह और सोनिया-राहुल गांधी हैं। तीसरे सिरे पर राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव की कवायद है। कोई भी कोण समझौते और सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन के पक्ष में नहीं लगता। संसद अखाड़ा बनकर रह गई है।**

संसद के दोनों सदनों, लोकसभा और राज्यसभा में गुरुवार को भी अडानी और जॉर्ज सोरोस का मुद्दा छाया रहा। पक्ष और विपक्ष एक-दूसरे पर हमलावर नजर आए। इस बीच लोकसभा में जीरो आवर में कांग्रेस सांसद ज्योतिमणि ने अपना मुद्दा उठाते हुए अडानी का नाम लिया। पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल ने कहा कि अडानी का नाम कार्यवाही से हटाया जाए क्योंकि जो सदन का सदस्य नहीं, उसका नाम नहीं लिया जा सकता। जिसका कांग्रेस ने विरोध किया। दरअसल संसद के दोनों सदनों में हंगामे, नारेबाजी की एक त्रिकोणीय स्थिति है। त्रिकोण के एक सिरे पर भाजपा, संभल, जॉर्ज सोरोस हैं। दूसरे सिरे पर अडानी समूह और सोनिया-राहुल गांधी हैं। तीसरे सिरे पर राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव की कवायद है। कोई भी कोण समझौते और सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन के पक्ष में नहीं लगता। संसद अखाड़ा बनकर रह गई है। जॉर्ज सोरोस के परोक्ष हस्तक्षेप और भारत-विरोधी सोच और ऐसे ही संगठनों को आर्थिक मदद आदि देने का मुद्दा कुछ अधिक संवेदनशील और कूटनीतिक है। संभल, उप्र की सांप्रदायिक हिंसा पर सपा संसदीय बहस की पक्षधर है, तो कांग्रेस अडानी के अलावा किसी और मुद्दे पर संसदीय दखल के मूड में नहीं है। कांग्रेस को लगता है कि इसी मुद्दे पर जनादेश मिल सकता है, हालांकि पार्टी बार-बार नाकाम रही है। अडानी समूह भारत के सर्वोच्च औद्योगिक समूहों में एक है। उस पर लगातार प्रहार करना और उसे अपमानित करने का एजेंडा चलाना देशहित में नहीं है। लोकतंत्र के मायने वाचालता नहीं हैं। कांग्रेस की राज्य सरकारों ने हजारों करोड़ रुपए के ठेके अडानी समूह को दिए हैं और आज भी ऐसे ठेके कर्नाटक, तेलंगाना की कांग्रेस सरकारों में जारी हैं। अडानी समूह की काट के लिए एक पुराना मुद्दा, संसद में भी, गूंज रहा है। जॉर्ज सोरोस और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी इसमें एक ही सिक्के के दो पहलू लगते हैं। हंगरी में जन्मे सोरोस अमरीका के उम्रदराज उद्योगपति हैं। वे 600 अरब रुपए के बाजार-मूल्य के उद्योगपति हैं। उन्होंने विश्वभर में करीब 90,000 करोड़ रुपए के दान विभिन्न संगठनों को दिए हैं। सोरोस की मदद से ही 30 देशों के 150 खोजी पत्रकारों का एक संगठन बना-ओसीसीआरपी। इस संगठन के सौजन्य से अमरीकी प्रवास के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की उस प्रेस-वार्ता का आयोजन किया गया था, जिसकी विषय-वस्तु अडानी समूह और प्रधानमंत्री मोदी के ही इर्द-गिर्द थी। प्रधानमंत्री मोदी को कई मौकों पर ओसीसीआरपी ने 'अलोकतांत्रिक नेता' करार दिया। इस संगठन के जरिये जम्मू-कश्मीर में 'फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स फाउंडेशन' बनाया गया था। सोरोस मोदी-विरोध के इस चक्रव्यूह का बुनियादी दानदाता रहा है। ओसीसीआरपी और फोरम ने जम्मू-कश्मीर को 'अलग देश' माना था और प्रचारित कर उसकी व्याख्या भी की थी। गुरुवार को निशिकांत दुबे ने कांग्रेस और राहुल गांधी से कुछ सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि 'फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स फाउंडेशन'जो कश्मीर को अलग देश मानता है, उसके साथ राजीव गांधी फाउंडेशन के सोनिया गांधी के क्या रिश्ते हैं, सोनिया और सोरोस का क्या रिश्ता है। वहीं नांबियर कमेटी की रिपोर्ट कहती है कि 150 करोड़ का घोटाला सैम पित्रोदा ने किया ओवरसीज कमेटी के कांग्रेस का चेयरमैन हैं वो ग्लोबल नॉलेज इनिसिएटिव चलाता है जिसको सोरोस पैसा देता है। राहुल गांधी के अमेरिका दौरे का सारा खर्च ग्लोबल नॉलेज इनिसिएटिव देता है।

# क्या पंजाब में पुराने दिनों की वापसी हो रही है?

**सवाल उठने वाजिब हैं, सुखबीर सिंह बादल पर हुआ हमला क्या कहता है? क्या पंजाब में पुराने दिनों की वापसी हो रही है? यकीनन, ऐसा नहीं है। पंजाब से अलगाववाद के वे हत्यारे दिन कब के विदा हो चुके हैं, जिन्होंने कभी अपने ही पुत्रों को जबरन रक्त से स्नान करवाया था। उनकी पुराने रूप-स्वरूप में वापसी मुमकिन नहीं लगती। इसके बावजूद बादल पर हमला और पिछले कुछ महीनों से फिजां में घुलती अलगाववादी आवाजों का इशारा साफ है। एक दफ्न हो चुकी दास्तान को फिर से खाद-पानी देने की कोशिश की जा रही है।**

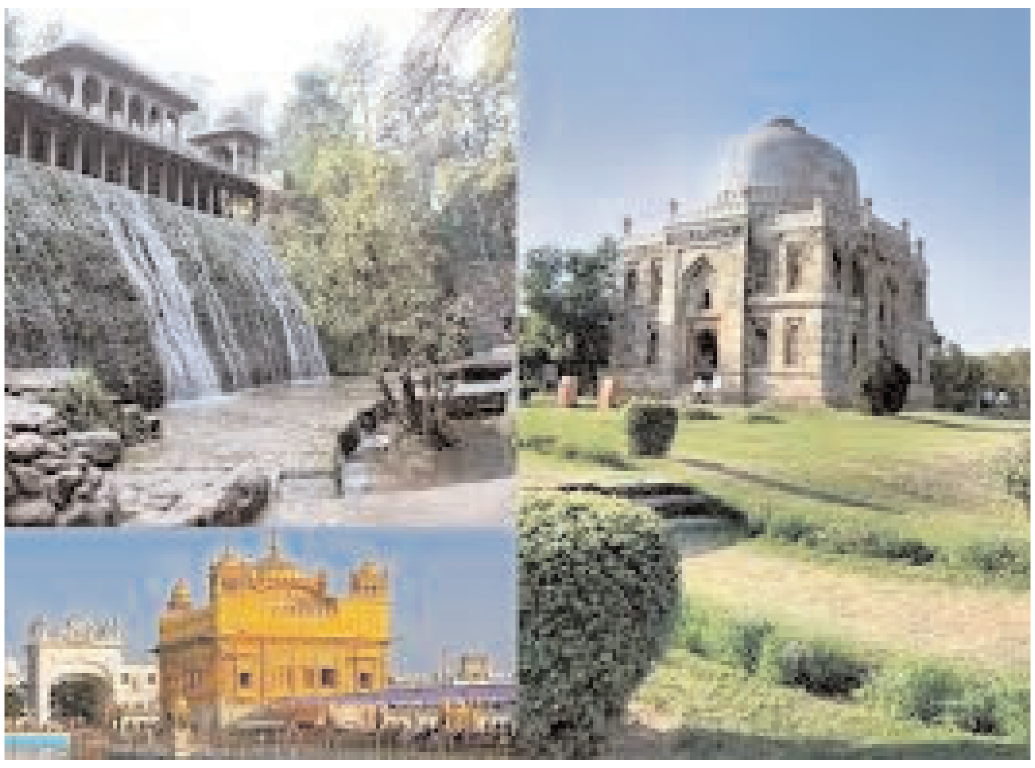

कुछ घटनाएं अतीत के लहूलुहान प्रेतों को पुनः हमारे सामने ला खड़ा करती हैं और उनकी डरावनी यादें देर तक सिहराती रहती हैं। पंजाब के पूर्व उप-मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल की हत्या की कोशिश को मैं इसी श्रेणी में रखना चाहूंगा। वजह? बरसों पहले, अप्रैल 1983 में इसी स्थान पर पुलिस उप-महानिरीक्षक ए.एस. अटवाल की हत्या की गई थी। उनका शव घंटों हरमंदिर साहिब की सीढ़ियों पर पड़ा रहा था। वह दहशतगर्दी का चरमोत्कर्ष था। कहते हैं कि इंदिरा गांधी की हुकूमत ने अगर उसी समय कड़ाई से दहशतगर्दों से निपटा होता, तो शायद ऑपरेशन ब्लूस्टार की नौबत न आती।

ऐसे में, सवाल उठने वाजिब हैं, सुखबीर सिंह बादल पर हुआ हमला क्या कहता है? क्या पंजाब में पुराने दिनों की वापसी हो रही है? यकीनन, ऐसा नहीं है। पंजाब से अलगाववाद के वे हत्यारे दिन कब के विदा हो चुके हैं, जिन्होंने कभी अपने ही पुत्रों को जबरन रक्त से स्नान करवाया था। उनकी पुराने रूप-स्वरूप में वापसी मुमकिन नहीं लगती। इसके बावजूद बादल पर हमला और पिछले कुछ महीनों से फिजां में घुलती अलगाववादी आवाजों का इशारा साफ है। एक दफ्न हो चुकी दास्तान को फिर से खाद-पानी देने की कोशिश की जा रही है। अमृतपाल सिंह का अचानक दुबई से आना और फिर धर्म की आड़ लेकर अलगाववादी अंगारे उगलना इस षड्यंत्र की शुरुआत थी। वह जानता है कि अभी भी ऐसे बहुत से लोग हैं, जो ऑपरेशन ब्लूस्टार और इंदिरा गांधी की हत्या के बाद भड़के सिख विरोधी दंगों से सुलगते रहते हैं। वे भले बूढ़े हो चले हों, लेकिन उनके मन में पुरानी कटुता कायम है। बादल पर हमलावर नारायण सिंह चौड़ा उन्हीं में से एक है। ऑपरेशन ब्लूस्टार के बाद जिन लोगों ने अलगाववाद की लगाम संभाली, चौड़ा उन्हीं में से आता है। वह तमाम आतंकवादी वारदातों के सिलसिले में जेल जा चुका है।

हमले से एक दिन पहले भी वह स्वर्ण मंदिर परिसर में देखा गया था। क्या वह वहां रेकी करने गया था? पंजाब पुलिस के जवानों की सक्रियता से बादल भले ही बच गए हों, लेकिन एक चुनौती जरूर सुरक्षा तंत्र के सम्मुख खड़ी हो गई है कि चौड़ा जैसे तत्वों पर तत्काल काबू पाना जरूरी है। आखिर एक शख्स, जो लंबे समय से तमाम एजेंसियों के रडार पर था, ऐसा करने में कामयाब कैसे रहा?

पंजाब जैसे संवेदनशील प्रदेश में इस पर विचार-विमर्श इसलिए भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि ऐसे तत्व राजनीतिक सफलता प्राप्त करने लगे हैं। पिछली लोकसभा में सिमरनजीत सिंह मान और अब अमृतपाल का लोकसभा में जाना एक तरह का अलार्म है। अब ये लोग सांविधानिक सदनों में अपनी बात रखने का हक-हुकूक हासिल कर चुके हैं।

यह जानने के लिए हमें पंजाब की राजनीति, समाज और दोनों में धर्म के दखल को समझना होगा। बताने की जरूरत नहीं है कि यहां 57.69 फीसदी सिख और 38.49 प्रतिशत हिंदू रहते हैं। इन दोनों बड़े समुदायों में प्रत्यक्ष और प्रायोगिक तौर पर कोई टकराव नहीं है। इसके बावजूद उनमें अलगाव के बीज बोने की कोशिश होती रही है। एक धड़ा है, जो आजादी के पहले से सिखों को समझाने की कोशिश करता रहा है कि जब हिंदुओं के लिए हिन्दुस्तान और मुसलमानों के लिए पाकिस्तान बना, तो फिर सिखों के लिए अलग देश क्यों नहीं बन सकता? 1970 के दशक में भी ऐसे स्वर मुखर हुए थे। इंदिरा गांधी समय रहते उनके निहितार्थ नहीं समझ सकीं। नतीजतन, सैकड़ों लोगों को बलि देनी पड़ी। खुद उन्हें अपनी जान भी गंवानी पड़ी। उम्मीद है, हमारे सियासतदां दोबारा ऐसा नहीं होने देंगे।

यहां भूलना नहीं चाहिए कि पंजाबी राजनीति की कुछ विशिष्ट जटिलताएं हैं। यहां धर्म, समाज, सियासत और राष्ट्रीय एकता के बीच अनोखा संतुलन बनाना होता है। प्रकाश सिंह बादल इस मायने में पुरोधा साबित होते थे। वह जानते थे कि कब किसे गद्दार कहना है, कब किसे राष्ट्रवादी बनाना है और धर्मगुरुओं को कैसे साधना है। भारतीय जनता पार्टी से लंबे समय तक चला साथ भी उनकी मदद करता था। यह गठबंधन हिंदू-सिख एकता को कायम रखते हुए धार्मिक संवेदनाओं को भी सहलाता चलता था। उधर, जोशीली बातें बोलने वालों को लगता था कि प्रकाश सिंह बादल के रहते सिखों का कोई नुकसान नहीं हो सकता।

इस धारणा को प्रकाश सिंह ने बड़े जतन से पोसा था। वह 1984 में देशद्रोह के आरोप में बंद हुए थे। उन्होंने बंगला साहिब गुरुद्वारे के बाहर संविधान के अनुच्छेद-25 की कॉपी जलाई थी। इसके अलावा भी तमाम ऐसे काम, जो राष्ट्रवादियों की नजर में गलत हो सकते हैं, उन्होंने किए। इसके साथ ही उन्होंने उस मध्यमार्गी धार्मिक राजनीति का बीजारोपण किया, जो एक संवेदनशील प्रदेश के लिए बेहद जरूरी है। आप चाहें, तो उनकी तुलना कश्मीर के फारूक अब्दुल्ला से कर सकते हैं। फारूक जानते हैं कि कश्मीरियत और भारतीयता, दोनों को एक साथ कैसे चलाया जा सकता है।

कहते हैं कि हर समझदार योद्धा का एक वाटर लू होता है। प्रकाश सिंह बादल से शायद एक गलती यह हुई कि उन्होंने पार्टी में वंशवाद को बढ़ावा दिया। उनके पुत्र सुखबीर सिंह बादल पंजाब में उप-मुख्यमंत्री थे और बहू केंद्र में मंत्री। इससे पार्टी में फूट हुई और वरिष्ठ नेताओं को लगा कि उनके आगे बढ़ने के रास्ते अवरुद्ध हो गए हैं। ऐसे लोग पार्टी में रहते हुए भी ऐसे स्वर बोलने लगे, जिससे कट्टरपंथियों की बन आई।

उधर, कांग्रेस अपनी ही वजहों से कमजोर होती चली गई। कांग्रेस ने भी बेअंत सिंह और अमरिंदर सिंह को आगे कर इस संतुलन को कायम रखा था। मगर उसके क्षरण और अकालियों से भाजपा का अलगाव यहां की सियासत और समाज पर भारी पड़ चला है।

शिरोमणि अकाली दल की इस दुर्गति की जिम्मेदारी सुखबीर सिंह बादल पर जाती है। प्रकाश सिंह बादल सिख स्वाभिमान की वजह से जेल गए थे। सुखबीर भ्रष्टाचार के आरोप में सलाखों के पीछे गए। प्रकाश सिंह बादल की गिरती सेहत और बढ़ती उम्र ने सुखबीर को सत्ता के केंद्र में ला खड़ा किया था, पर वह इस बोझ को सम्हाल न सके। उनके समय में ह्यउड़ता पंजाबह्व जैसे मुहावरे गढ़े गए। यही नहीं, अकाली सत्ता काल में हुई मुठभेड़ों और पवित्र ग्रंथ की बेअदबी के आरोपों ने पार्टी के पैरों के नीचे बिछी दरी खिसका दी।

सुखबीर जत्थेदारों को भी संतुष्ट करने में नाकामयाब रहे। उन्होंने बेअदबी और मुठभेड़ों की जिम्मेदारी स्वीकार कर ली और 'तनखैया' घोषित कर दिए गए। पिछले हफ्ते हमले के वक्त 'तनखैया' सुखबीर सिंह सजा का पालन कर रहे थे। व्हील चेयर पर बैठे इस लहीम-शहीम शख्स को हमलावर ने आसान शिकार समझा होगा।

सवाल उठता है, अब आगे क्या? यही वह मुकाम है, जहां भगवंत सिंह मान की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। वे इस सीमावर्ती प्रदेश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिनकी सरकार किसी राष्ट्रीय पार्टी की बैसाखी के बिना खड़ी है। उन्हें भी वैसा ही काव्यात्मक संतुलन स्थापित करना होगा, जैसे उनके पूर्ववर्ती करते आए हैं। फिलहाल उस पर सवाल उठ रहे हैं। पंजाब की अंदरूनी खदबदाहट की एक और मांग है। दिल्ली और चंडीगढ़ की सरकारें मिलकर कुछ ऐसे कदम उठाएं, जिनसे अतीत के प्रेतों को दोबारा उभरने का मौका न मिले।

# क्या नई महामारी का संकेत है डिजीज एक्स?

कोरोना महामारी से पूरी दुनिया में करोड़ों लोगों की मौत हुई थी। उसके बाद मंकीपॉक्स वायरस भी 100 से ज्यादा देशों में फैला था। अभी भी इसके कुछ केस आ रहे हैं। कुछ सप्ताह पहले मारबर्ग वायरस ने भी दस्तक दी थी। अफ्रीका में यह वायरस तेजी से फैल रहा है। इस बीच अब डिजीज एक्स एक नया खतरा बन गई है। अफ्रीका में डिजीज एक्स के 300 से अधिक मामले आ चुके हैं। इस बीमारी के कारण 140 से अधिक मौतें हो गई है। पिछले कई समय से डब्ल्यूएचओ सभी को नई बीमारी के लिए तैयार रहने की सलाह दे रहा था। डब्ल्यूएचओ ने इस बीमारी को डिजीज एक्स का नाम दिया था, क्योंकि इसके बारे में कोई जानकारी मौजूद नहीं थी। ऐसे में अफ्रीका में फैल रही एक रहस्यमयी बीमारी ने दुनियाभर में हेल्थ एक्सपर्ट्स की चिंता बढ़ा दी है। यहां डिजीज एक्स के बढ़ते मामले चिंता का विषय बना हुए हैं। डब्ल्यूएचओ ने साल 2018 में डिजीज एक्स को लेकर जानकारी साझा की थी, लेकिन आजतक यह पता नहीं चल सका है कि ये डिजीज किसी वायरस या बैक्टीरिया के कारण होती है।

इस घातक बीमारी के बढ़ते खतरे को दर्शाने के लिए वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने इसे डिजीज एक्स का नाम दिया है। हालांकि, यह बीमारी अभी तक भारत तक नहीं पहुंची है, लेकिन इसके बढ़ते मामलों को देखते हुए सावधानी बरतना जरूरी है। साथ ही इस बीमारी से जुड़ी जानकारियों के बारे में जानना भी बेहद जरूरी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि डिजीज एक्स एक खतरनाक बीमारी है। इसमें डेथ रेट काफी ज्यादा है। सात महीने पहले ही इस बीमारी को लेकर अलर्ट जारी किया गया था और अब इसके केस बढ़ रहे हैं। डिजीज एक्स किस वजह से होती है इस बारे में कोई सही जानकारी नहीं है, लेकिन जिन इलाकों में बड़ी आबादी में फ्लू जैसे लक्षण दिख रहे हैं वहां के लोग इससे संक्रमित हो रहे हैं। यह डिजीज कोविड से भी ज्यादा खतरनाक है। अफ्रीका में इस बीमारी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

इस बीमारी का नाम डिजीज एक्स यह बताता है कि इस बीमारी के लिए बारे में अभी ज्यादा कोई जानकारी नहीं है। यह उभरते संक्रमणों के लिए जगारूकता और तैयारियों की आवश्यकता पर जोर देता है। बात करें इससे प्रभावित क्षेत्र की, तो अभी तक इसे लेकर कोई सटीक जानकारी सामने नहीं आई है। शोधकर्ताओं के मुताबिक वन्यजीव संपर्क या घनी आबादी वाले क्षेत्रों, जैसे अफ्रीका और एशिया के कुछ हिस्सों में इसका प्रकोप देखा गया है। ऐसे में डर इस बात का है कि अगर यह बीमारी तेजी से महाद्वीपों में फैलती है, इससे पूरी दुनिया पर खतरा मंडरा रहा है।

चूंकि डिजीज एक्स एक अज्ञात बीमारी है, इसलिए इसके सटीक लक्षणों के बारे में कोई जानकारी नहीं हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यह सार्स, कोविड-19 या इबोला जैसे पिछले संक्रमणों के समान हो सकता है। ऐसे में बुखार और ठंड लगना,

गंभीर श्वसन संकट, मांसपेशियों और जोड़ों का दर्द, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं, जैसे दस्त या उल्टी, बिना वजह ब्लीडिंग या चकत्ते, थकान और कमजोरी. सिरदर्द या नर्व संबंधी गड़बड़ी जैसे लक्षणों पर ध्यान देने की जरूरत है।

किसी भी तरह से वायरस या बैक्टीरिया से बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। ऐसे में इन टिप्स की मदद से आप अपनी देखभाल कर सकते हैं- नियमित रूप से साबुन और पानी से हाथ धोएं। अपने चेहरे, खासकर आंखों, नाक और मुंह को छूने से बचें। हवा के जरिये फैलने वाले पैथोजन से बचने के लिए भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क का इस्तेमाल करें। बीमारियों और संक्रमणों से बचने के लिए विटामिन और मिनरल्स से भरपूर डाइट फॉलो करें। फिजिकली एक्टिव रहें और रोजाना अपनी नींद पूरी करें। बीमारी के लक्षण दिखाने वाले वन्यजीवों या घरेलू जानवरों के साथ पास जाने से बचें। अगर आप मीट और चिकन आदि खाते हैं, तो ध्यान रखें कि वह अच्छी तरह से पके हुए हैं। जूनोटिक डिजीज से बचाव के लिए मौजूद वैक्सीन जरूर लगवाएं। हाई रिस्क वाली जगहों पर जाने से बचें, जब तक बहुत ज्यादा जरूरी न हो।

सात महीने पहले डब्ल्यूएचओ ने कुछ संक्रामक बीमारियों की पहचान की थी। ये बीमारियां नई महामारी का कारण बन सकती हैं। इन बीमारियों में मारबर्ग, जीका, इबोला वायरस और डिजीज एक्स को सबसे खतरनाक माना गया था। अब डिजीज एक्स और मारबर्ग दोनों के ही मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए किसी नई महामारी की आशंका जताई जा रही है।

महामारी विशेषज्ञों के मुताबिक अफ्रीका में एक साथ दो वायरस फैल रहे हैं। यह खतरे का संकेत है, हालांकि इनका प्रसार फिलहाल एक ही देश में सीमित है। ऐसे में पैनिक होने की जरूरत नहीं है, लेकिन अलर्ट जरूर रहना होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि मारबर्ग और डिजीज एक्स दोनों ही संक्रामक बीमारियां हैं और इनका प्रसार एक से दूसरे व्यक्ति में हो सकता है। इनको लेकर अलर्ट भी जारी किया गया था। इसलिए लोगों को सलाह है कि प्रभावित देशों की यात्रा से बचें। अगर आपके परिवार में कोई इन देशों से आया है तो खास सावधानी बरतें।

डिजीज एक्स के सबसे ज्यादा केस सेंट्रल अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में मिले हैं। इस बीमारी का शिकार सबसे ज्यादा बच्चे हुए हैं। अफ्रीकी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन का कहना है कि अब तक आए 386 मामलों में से करीब 200 मरीज बच्चे हैं, जिनकी उम्र 5 साल से कम है। अभी तक यह साफ नहीं हो सकता है कि इस बीमारी के फैलने का कारण क्या है। माना जा रहा है कि एक से दूसरे में इसका ट्रांमिशन होता है। यह सांस के जरिये फैल रहा है। इसे रोकने के लिए डब्यूएचओ की तरफ से कुछ दवाईयां अफ्रीका भेजी गई हैं लेकिन आशंका है कि यह बीमारी कहर मचा सकती है।

मई में जिनेवा में हुई वर्ल्ड हेल्थ असेंबली की बैठक में वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के प्रमुख डॉ. टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने इसे लेकर चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि एक और महामारी कभी भी आ सकती है, जो गंभीर बीमारी फैलाने के साथ बड़ी संख्या में लोगों की मौत का कारण बन सकती है। हमें इसके लिए सामूहिक रूप से तैयार रहना चाहिए। यह बीमारी ऐसे समय में सामने आई जब फ्लू के मामलों में वृद्धि हो रही थी। विशेषज्ञों को संदेह है कि यह बीमारी हवा के जरिये फैलती है। इस बीमारी ने नए पैथोजन (रोगजनक) के फैलने की चिंताओं को बढ़ा दिया है।

# महामारी बन रहा 'टेक्स्ट नेक सिंड्रोम' युवाओं को ज्यादा खतरा

लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी ने वैश्विक स्तर पर हर उम्र के लोगों की सेहत को प्रभावित किया है। युवा आबादी भी इसका तेजी से शिकार होती जा रही है। युवाओं में बढ़ती डायबिटीज और ब्लड प्रेशर की समस्या तो विशेषज्ञों के लिए चिंता का कारण बनी ही हुई है, इसके साथ-साथ दुनियाभर में युवाओं में बढ़ती टेक्स्ट नेक बीमारी को लेकर भी अलर्ट किया जा रहा है। यह समस्या न सिर्फ असहनीय दर्द का कारण बनती है साथ ही कई अन्य प्रकार की असहजताओं को भी बढ़ाने वाली हो सकती है।

अध्ययनकर्ता बताते हैं कि टेक्स्ट नेक एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के तौर पर बढ़ती जा रही है। महामारी विज्ञान के आंकड़ों से पता चलता है कि 73त्न विश्वविद्यालय के छात्रों और 64.7त्न लोग जो वर्क फ्रॉम होम करते हैं, वो इसका शिकार हो सकते हैं। टेक्स्ट नेक के कारण आपको गर्दन या पीठ में दर्द बना रहता है, जिसके कारण दिनचर्या के सामान्य कामकाज करने में भी दिक्कत महसूस होने लगती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, टेक्स्ट नेक सिंड्रोम एक नया टर्म है, इसे टेक नेक या स्मार्टफोन नेक के नाम से भी जाना जाता है। लंबे समय तक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे मोबाइल फोन-कंप्यूटर को आगे की तरफ झुककर देखते रहने के कारण गर्दन पर अतिरिक्त दबाव और तनाव बढ़ जाता है जिसके कारण आपको यह दिक्कत हो सकती है। सरल भाषा में समझें तो टेक्स्ट नेक की दिक्कत तब होती है जब आप स्क्रीन को देखने के लिए सिर आगे और नीचे की ओर झुकते हैं और इसके कारण गर्दन और रीढ़ पर बार-बार तनाव बढ़ता है।

तटस्थ स्थिति में मानव सिर का वजन 10-12 पाउंड (साढ़े चार से पांच किलो) के बीच होता है लेकिन आगे की ओर झुकने पर यह वजन बढ़ जाता है जिससे गर्दन की मांसपेशियों और रीढ़ पर अतिरिक्त दबाव भी पड़ने लगता है। साल 2018 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि 35 प्रतिशत स्मार्टफोन उपयोगकर्ता टेक्स्ट नेक सिंड्रोम से पीड़ित हो सकते हैं। एक अन्य शोध के मुताबिक 15-18 वर्ष की आयु वाले लोग जिनका स्मार्टफोन पर अधिक समय बीतता है उनमें इस समस्या के विकसित होने का जोखिम अधिक हो सकता है। टेक्स्ट नेक सिंड्रोम के कारण गर्दन, पीठ के ऊपरी हिस्से और कंधे में दर्द बना रहता है।

गर्दन में लगातार या रुक-रुक कर होने वाला दर्द टेक्स्ट नेक के मुख्य लक्षणों में से एक है। पीठ में दर्द, विशेष रूप से कंधे की हड्डियों के बीच वाले हिस्से और गर्दन की मांसपेशियों में अकड़न की समस्या को इसका लक्षण माना जा सकता है जिसको लेकर सभी लोगों को विशेषरूप से ध्यान देते रहने की सलाह दी जाती है।

इस तरह की समस्याओं पर समय रहते ध्यान देना और उपचार प्राप्त करना जरूरी हो जाता है। इलाज न हो पाने की स्थिति में गर्दन में होने वाला दर्द आसपास की मांसपेशियों को भी प्रभावित करने लगता है। पीठ के ऊपरी हिस्से की मांसपेशियों में असंतुलन होने का खतरा भी बढ़ जाता है, इसके साथ आपको कुछ समय के लिए भी गर्दन को एक मुद्रा में रखने में कठिनाई महसूस हो सकती है।

टेक्स्ट नेक सिंड्रोम की समस्या समय के साथ आपकी क्वालिटी ऑफ लाइफ को भी प्रभावित करने वाली हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि टेक्स्ट नेक की समस्या से बचे रहने के लिए सभी लोगों को प्रयास करते रहना चाहिए। चूंकि युवा लोग फोन से अधिक लगे रहते हैं इसलिए युवाओं को और भी सावधान रहना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करते समय अपनी शारीरिक मुद्रा को ठीक रखना, गर्दन को बहुत आगे की तरफ न झुकाना जरूरी है। डिवाइस को आंखों के स्तर पर रखें, जिससे गर्दन को ज्यादा झुकाना न पड़े। गर्दन और कंधों को स्ट्रेच करने और आराम देने के लिए बार-बार ब्रेक लें। लैपटॉप स्टैंड और फोन होल्डर आदि के इस्तेमाल से भी टेक्स्ट नेक सिंड्रोम से बचा जा सकता है।

कोविड महामारी के दौरान, जब ऑनलाइन कक्षाओं का चलन बढ़ा और बाहर खेलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया, तो कई युवा वयस्कों और बच्चों को टेक्स्ट नेक सिंड्रोम, जिसे टेक नेक भी कहा जाता है, हो गया। कुछ डॉक्टर इसे मायोफेशियल पेन सिंड्रोम कहना पसंद करते हैं, एक पुराने दर्द की स्थिति जो मांसपेशियों और फेशिया (मांसपेशियों के चारों ओर का ऊतक) को प्रभावित करता है।

मायोफेशियल दर्द के मामलों में वृद्धि का कारण यह भी है कि कई बच्चों के लिए गेमिंग अब पूरी तरह से डिजिटल हो गई है और अब यह कोई शारीरिक गतिविधि नहीं है। गेमिंग या मोबाइल पर पढ़ने के दौरान उनकी मुद्रा इतनी गलत होती है कि इससे मांसपेशियों में खिंचाव होता है। विशेषज्ञों के अनुसार इसका एक और कारण आबादी में विटामिन डी का स्तर कम होना भी है।

विशेषज्ञ कुछ एक्सरसाइजेस के बारे में भी बताते हैं, जो इस समस्या के समाधान में काम आ सकती है। जैसे चिन ग्लाइड्स। यह एक्सरसाइज सर्वाइकल से जुड़ी प्रॉब्लम्स में बेहद फायदेमंद मानी जाती है। इसे रोज करने से यह डीप सर्वाइकल फ्लेक्सर्स और सर्वाइकल एक्सटेंसर्स वगैरह को मजबूती देने का काम करती है। सिर और गर्दन के पॉश्चर को दोबारा ठीक करने में यह फायदेमंद मानी जाती है। इसे करने के लिए सीधे खड़े हो जाएं। हाथों की दो उंगलियों से चिन को दबाते हुए पीछे की तरफ ले जाएं। सिर को आगे लाएं, इस दौरान बॉडी को स्टेबल और सीधा रखें। लगभग 10 बार इस एक्सरसाइज को दोहराएं।

# जिलाधिकारी ने की अग्निवीर रैली की की समीक्षा

### 24 दिसम्बर से 05 जनवरी तक अम्बेडकर स्टेडितैयारियों यम में होगी अग्निवीर भर्ती रैली

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।**
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में अग्निवीर भर्ती की तैयारियों के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों एवं सेना के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। डीएम मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि स्टेडियम, रेलवे स्टेशन एवं बस स्टेशन के आस-पास पर्याप्त मात्रा में पूरी रात अलाव जलाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होने कहा कि तहसील एवं नगर निगम स्थल चिन्हित कर अभ्यर्थियों के लिए रात्रि में ठहरने एवं सर्दी से बचाव की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। रैली में आने वाले सभी अभ्यर्थियों को बेहतर से बेहतर सुविधा मुहैया कराई जाए। रैली से संबंधित सभी विभाग सौंपे गये दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन करें। उन्होने सिन्थेटिक ट्रेक के मरम्मत के कार्य को 20 दिसम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होने निर्देश दिए कि व्यवस्थाओं और अधिक बेहतर बनाने के लिए सिविल डिफेन्स का भी सहयोग लिया जाए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सम्बन्धित अधिकारियों को पेयजल, साफ-सफाई, बेरीकेटिंग, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, लाइट,

शौचालय, एम्बुलेंस एवं चिकित्सा, फॉगिंग आदि की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। परिवहन विभाग को अतिरिक्त बसों का संचालन करने एवं अग्निशमन विभाग को रैली स्थल पर किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए समुचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। जनपद में अग्निवीर भर्ती के तहत भारतीय सेना की ओर से 24 दिसम्बर से 05 जनवरी तक रैली का आयोजन किया जाना है। यह रैली डा0 भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम में होगी। रैली में प्रदेश के 13 जनपदों के अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। रैली में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, रामपुर, मुरादाबाद, बिजनौर, अमरोहा, गौतमबुद्धनगर, हापुड, गाजियाबाद, बागपत, मेरठ और बुलंदशहर के अभ्यर्थी आएंगे। बैठक में सेना के भर्ती अधिकारी कर्नल सत्यजीत बेबले ने अधिकारियों को रैली के मद्देनजर की जाने वाली व्यवस्थाओं एवं आवश्यकताओं के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भर्ती रैली में 15 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। जनपद में प्रतिदिन लगभग 1500 अभ्यर्थी आएंगे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, एसपी यातायात सिद्धार्थ वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार, अपर नगर आयुक्त राजेश यादव, उप जिलाधिकारी सदर अंकुर वर्मा सहित अन्य अधिकारीगण एवं सेना भर्ती के अधिकारी मौजूद रहे।

# भगवान श्री राम के नाम पर वोट लेने वाले सहारनपुर सांसद ने जनता के साथ किया बड़ा धोखा :- गजराज राणा

### सहारनपुर सांसद के खिलाफ भाजपा नेता गजराज राणा का बड़ा बयान

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ**
देवबंद । सहारनपुर, देवबंद भाजपा के फायर ब्रांड नेता गजराज सिंह राणा ने कहा सहारनपुर सांसद इमरान मसूद राम के नाम पर वोट लेकर अब जनता के साथ धोखा कर रहे हैं। जनपद के विकास और आम जनता के हित के उन्हें कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा जिस प्रकार से मीडिया रिपोर्ट्स में खुलासा हुआ है कि उन्होंने अपनी निधि का पैसा जनता के हित में खर्च नहीं किया है उससे साफ हो जाता है कि वह विकास कार्य को लेकर कितने गंभीर हैं। गजराज राणा ने कहा कि इमरान मसूद नैतिकता के तौर पर इस्तीफा दें और जनता से माफी मांगे। गजराज राणा ने कहा की लोकसभा चुनाव के दौरान इमरान मसूद ने जाति और धर्म के नाम पर चुनाव जीतकर लोकतंत्र की हत्या की थी। भगवान श्री राम के नाम पर वोट मांग कर जनता के साथ बड़ा विश्वास घात किया, सांसद बनने के बाद उनके मुख से ना तो राम निकला और ना ही जनपद के विकास में उन्होंने कोई दिलचस्पी ली। वह सांप्रदायिक लोगों से देश में घूम-घूम कर मिल रहे हैं और अपने आप को बड़ा मुस्लिम नेता बनने की फिराक में लगे हैं। उन्होंने कहा कि अगर इमरान मसूद के अंदर जरा भी नैतिकता बची है तो वह तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देते हुए घर बैठ जाएं। गजराज राणा ने कहा कि केंद्र-प्रदेश की भाजपा सरकार जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जनता के विकास को लेकर कटिबध है। लेकिन सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद केवल धर्म के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। जनता के विकास से उन्हें कोई

मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी जल्द ही पूरे मामले में इमरान मसूद के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन शुरू करेगी।

# पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के द्वारा जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की ली गई अपराध समीक्षा बैठक

अनूपपुर, आज दिनांक 12.12.2024 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय अनूपपुर के मीटिंग हाल में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के द्वारा जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक ली गई। पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा जिले के लंबित अपराधों, महिला संबंधी अपराधों, पाक्सो एक्ट के प्रकरणों, लंबित मर्ग, लंबित चालानों की थानावार समीक्षा की गयी। चिन्हित अपराधों, महिला संबंधी अपराधों को संवेदनषीलता से लेने, एसटी/एससी के रहत प्रकरणों एवं लंबित चालान, पाक्सों एक्ट के वारंटों की तामीली, स्थाई वारंटों की तामीली, सीएम हेल्पलाईन एवं समाधान ऑनलाईन के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने हेतु निर्देषित किया गया है। साथ ही समस्त थाना प्रभारियों को थाना के निगरानी बदमाषों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने, एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में नियंत्रण करने व एनडीपीएस एक्ट में जप्त किए गये वाहनों के वाहन स्वामियों के विरुद्ध भी कार्यवाही करने, थाने में बीट प्रणाली पुनः लागू करने तथा सामुदायिक पुलिसिंग पर जोर देने व नगर रक्षा समिति के सदस्यों को सक्रिय करने तथा रात्रिगष्त प्वाइंट बढ़ाने, अनुसुलझे हत्या के प्रकरणों व बलात्कार के प्रकरणों का निराकरण करने, 173(8) के प्रकरणों का निराकरण, स्थाई व गिरफ्तारी वारंटों की अधिक से अधिक तामीली करने हेतु निर्देषित किया गया। साथ ही पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अपने थाना क्षेत्र में भ्रमण बढ़ाने व जनता के बीच जाने व बात करने, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाईन फ्रॉड के प्रति जनता को जागरूक करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने निर्देष दिए।

उक्त अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान, अति.पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री इसरार मन्सूरी, एसडीओपी अनूपपुर श्री सुमित केरकेट्टा, एसडीओपी पुष्पराजगढ़ श्री नवीन तिवारी, डीएसपी(अ) एन.एस.ठाकुर, थाना प्रभारी कोतवाली उनि. प्रवीण साहू, थाना प्रभारी चचाई निरी. एस.पी.शुक्ला, थाना प्रभारी जैतहरी निरी. पी.सी.कोल, थाना प्रभारी भालूमाड़ा निरी.राकेष उईके, थाना प्रभारी कोतमा निरी.सुन्द्रेष मरावी, थाना प्रभारी बिजुरी निरी.विकास सिंह, थाना प्रभारी रामनगर उनि. श्यामलाल मरावी, थाना प्रभारी राजेन्द्रग्राम निरी. बीरेन्द्र बरकडे, थाना प्रभारी अमरकंटक निरी. कलीराम परते, थाना प्रभारी करनपठार निरी.संजय खलखो, चौकी प्रभारी फुनगा उनि.सुमित कौषिक, चौकी प्रभारी देवहरा उनि.रंगनाथ मिश्रा, चौकी प्रभारी वेंकटनगर उनि.अमरलाल यादव एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के स्टॉफ उपस्थित रहें।

# गीता भवन में 39 वां नर नारायण सेवा यज्ञ समारोह हुआ आयोजित, जरूरतमंदों को ट्राई साईकिल देकर सम्मानित किया गया

### जरूरतमंदों को बैसाखी, लिहाफ, कम्बल, सिलाई मशीन, स्कूल जर्सी, निर्धन कन्या के विवाह में यथोचित सहयोग एवं जरूरतमंद परिवारों की राशन से सेवा की गयी

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ**
देवबंद (सहारनपुर), श्री गीता जयन्ती के पावन पर्व पर श्री गीता प्रचार समिति सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री गीता भवन में 39 वां नर नारायण सेवा यज्ञ समारोह आयोजन किया गया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि पवन कुमार गोयल कहा कि नर नारायण सेवा करने से मन को शान्ति प्राप्त होती है। यह एक सच्ची ईश्वर सेवा है। डा.कान्ता सिंह ने विचार व्यक्त करते हुए कहा श्री गीता प्रचार समिति द्वारा मानव सेवा की दिशा में किये जा रहे सार्थक प्रयास प्रशंसनीय है इससे समाज में समरसता का विकास होता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष सुशील गर्ग ने कहा की हमें अपने ही समाजिक कार्यो के प्रति उन्मुख होकर इस पुनीत कार्य में अपना योगदान करना चाहिए। धर्म ध्वज स्थापना विजेश कंसल ने की। दीप प्रज्वलित दीपक गुप्ता ने किया। श्रीराधामोहन को माल्यार्पण डा.अरविंद जौहरी ने की। वशिष्ठ अतिथि श्याम लाल भारती, पूर्व

प्रधानाचार्य राजेन्द्र शर्मा, अलंकार गुप्ता रहे। आस्था महिला मंडल को पटका व स्मति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। महाराजा अग्रसेन महिला मंडल की ओर से जरूरतमंदों को ट्राई साईकिल देकर सम्मानित किया गया। जरूरतमंदों को बैसाखी, लिहाफ, कम्बल, सिलाई मशीन, स्कूल जर्सी, निर्धन कन्या के विवाह में यथोचित सहयोग एवं जरूरतमंद परिवारों की राशन से सेवा की गयी। कार्यक्रम का संचालन सुधीर गर्ग ने किया। समिति के अध्यक्ष अंजय बंसल ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अरूण, आर्चाय विनय प्रकाश तिवारी, अरूण अग्रवाल, राजीव शर्मा, पंकज गोयल, संजय मित्तल, सुशील बंसल, अखिल शर्मा, सुशील कर्णवाल, राजकुमार जाटव पूर्व सभासद, डा.बिजेंद्र गोयल, महेश अग्रवाल, गिरिश अग्रवाल, छत्रपाल शर्मा, सोमनाथ गुप्ता, श्रीमती कान्ता त्यागी, श्रीमती मीरा देवी, मधु शर्मा, मंजू शर्मा, विमला देवी, सुदेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

# प्राकृतिक आपदा पीड़ित 04 परिवारों को 16 लाख रूपए की आर्थिक सहायता

**गणेश वैष्णव । सिटी चीफ**
जगदलपुर, कलेक्टर श्री हरिस एस. द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत् प्राकृतिक आपदा पीड़ित 04 परिवारों को 16 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। जिसके तहत् तहसील करपावण्ड के ग्राम करपावण्ड निवासी झितरी की मृत्यु सांप काटने से पति श्री धनसाय को, तहसील दरभा के ग्राम बिसपुर निवासी रामणता उर्फ शासबती की मृत्यु सांप काटने से पति श्री आयता को, ग्राम डिलमिली निवासी जगरी की मृत्यु मधुमक्खी काटने से पति श्री जोंदरा और तहसील तोकापाल के ग्राम केशलूर निवासी संजय की मृत्यु तालाब पानी में डूबने से पत्नि लछनदई को प्रत्येक को चार-चार लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है।

# सौर ऊर्जा से नियद नेल्लानार योजना के ग्राम हो रहे ऊर्जीकृत

### सरकार की सुशासन से माओवाद प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीणों के जीवन में आया बदलाव

**गणेश वैष्णव । सिटी चीफ**
**जगदलपुर,** राज्य सरकार द्वारा नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से अतिसंवेदनशील एंव दूरस्थ माओवाद प्रभावित ग्रामों के ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कर इन क्षेत्रों में विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार क्रेडा के द्वारा सुकमा जिले के अंतर्गत माओवाद प्रभावित ग्रामों सिलगेर, टेकलगुड़ियम, पूवर्ती व अन्य गांवों में वृहद स्तर पर सौर संयंत्रों की स्थापना कर पेयजल एवं विद्युत सुविधा मुहैया कराया जा रहा है। जिससे उक्त सुदूर क्षेत्र में विकास की उजियारा के जरिए ग्रामीणों के जीवन में खुशहाली का नया अध्याय जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण क्षेत्रीय कार्यालय जगदलपुर के द्वारा सुकमा जिले के दूरस्थ ईलाके सिलगेर टेकलगुड़ियम

एवं पूवर्ती में एक-एक सोलर हॉई-मास्ट संयंत्र स्थापित किये गये हैं। जिससे अब रात्रि के समय भी रोशनी होने से ग्रामीण सुरक्षित और सुविधाजनक महसूस करते हैं। ग्राम पूवर्ती में 02, सिलगेर में 02 व टेकलगुड़ियम में 02 सोलर संयंत्र से संचालित डीटीएचयुक्त टेलीविजन की स्थापना की गई है, जिससे ग्रामवासी देश-विदेश की खबरों से जुड़ते है एवं उनका मंनोरजंन भी हो रहा है। इसी प्रकार ग्राम सिलगेर में जल जीवन मिशन अंतर्गत 04 सोलर पंपों की स्थापना कर शुद्ध जल प्रदाय की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है जिससे ग्रामवासियों को अब पानी भरने के लिये घर से दूर नहीं जाना पड़ता है। ग्राम टेकलगुड़ियम में 04 और पूवर्ती में 07 नग सोलर पंप स्थापना के कार्य किये जा रहे हैं जिससे जल्द ही ग्रामवासियों को पेयजल की समस्या से निज़ात मिलेगी। इसी तरह ग्राम पूवर्ती में 15 व सिलगेर में 11 व टेकलगुड़ियम में 17 नग सोलर होमलाईट संयंत्रों की स्थापना की गई है जिनमें प्रति होमलाईट 01 पंखा, 05 एलईडी लाईट व मोबाईल चार्जिंग की सुविधा प्रदान कर लाभान्वित किया गया है, जिससे ग्रामीण अब देश-दुनिया की खबरों से जुड़ते हैं। वहीं मनोरंजन एवं मुख्यधारा की जानकारियों से अद्यतन रहते है जिससे उनकी दिनचर्या में बदलाव हो रहा है। इन ग्रामों में उक्त मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता से ग्रामीणों में खुशी है और ग्रामीणजन अपने गांव में आए सकारात्मक बदलाव के लिए राज्य सरकार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

# सिटी कोतवाली क्षेत्र के शालीमार मार्केट के व्यापारी पहुंचे कोतवाली

### दुकानों के पास रह रहे असामाजिक तत्व ने की व्यापारी के साथ मारपीट..

**सुनील यादव । सिटी चीफ**
कटनी, कटनी के कोतवाली क्षेत्र में स्थित रेलवे स्टेशन के पास कटनी का थोक बाजार शालीमार मार्केट के थोक बाजार के कई व्यापारियों ने घेराव कर दिया वे सभी अपनी अपनी दुकान बंद कर कोतवाली थाने पहुंचे थे ये सभी असामाजिक तत्वों द्वारा व्यापारी से मारपीट किए जाने से आक्रोशित थे। सभी व्यापारी मारपीट करने वाले आरोपी की गिरफ्तारी करने की मांग पर अड़े हुए थे।

थोक व्यापारी सुरेश नागपाल ने बताया कि शालीमार मार्केट कटनी का सबसे पुराना थोक बाजार है जो कि कटनी रेल्वे स्टेशन के पास है वहां पर दूसरे शहर गांव के लोग आते है वहां पर मौजूद कुछ असामाजिक तत्व उनके साथ भी मारपीट करते है आज उन्होंने व्यापारी के साथ मारपीट की है और धमकी दी है, कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने बताया कि शालीमार मार्केट के व्यापारी कोतवाली में मारपीट की शिकायत करने आए है उनके साथ किसी ने मारपीट की है आरोपी की तलाश जारी है।

# दाल मील में महिला की साड़ी और बाल बैल्ट में फंसे, उपचार के दौरान मौत

**सुनील यादव । सिटी चीफ**
कटनी, कटनी के माधव नगर स्थित दाल मील के बैल्ट में फसकर एक महिला की मौत हो गई है। मृतक महिला उमरिया जिले के गोलोथर ग्राम की निवासी है और इस दाल मिल में मृतका का पूरा परिवार 3 सालों से मजदूरी का काम करता है। मृतिका के परिजनों ने बताया कि माधव नगर स्थित कबीर पल्सेस दाल मील मे पति पत्नी और उसके देवर काम कर रहे थे। वही महिला की कम करने के दौरान साड़ी और बाल मशीन बैल्ट में फस गई और वह मशीन में खींच गई और महिला के सिर मे काफी गंभीर चोट आई थी और उपचार के लिए महिला को जिला अस्पताल ले जाया गया था जिसमे महिला की उपचार द्वारान मौत हो गई, मृतक महिला का नाम सोनिया उर्फ मुन्नी बाई पति राजेश नगरिया निवासी उमरिया जिले के ग्राम गिलोथर है जिसका पोस्ट मार्टम कर शव को परिजनों को सौंप दिया गया ।

# जिला पंचायत सीईओ अर्पित वर्मा ग्राम सासा में मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान में हुए शामिल

**धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ** दमोह, जिला पंचायत सीईओ अर्पित वर्मा ने जनपद पंचायत पथरिया के ग्राम सासा में मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान में शामिल हुए। उन्होंने सरकार द्वारा विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाए संचालित की जा रही हैं की जानकारी देते हुए कहा पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ अवश्य लें। सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने सभी जनपदो के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से कहा है कि दिए गये निर्देशों के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाये तथा इसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी कराया जाये। इसी क्रम में एसडीएम पथरिया निकेत चौरसिया ग्राम पंचायत सुजनीपुर पहुँचे और शिविर का जायजा लिया। ग्रामीणों से चर्चा की और सभी सबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये।

# पटियाला में नामांकन दाखिल करने गए लोगों की फाइलें छीनकर फरार

## सूचना मिलते ही भाजपा नेता मौके पर पहुंचे, पुलिस ने संभाली स्थिति

**मनदीप सिंह बावा । सिटी चीफ**
पटियाला, पटियाला नगर निगम चुनावों के आखिरी दिन माहौल गर्माया हुआ है। आरोप है कि भाजपा की ओर से नामांकन दाखिल करने आए लोगों की फाइलें छीनकर कुछ लोग फरार हो गए। वहीं, कांग्रेस नेता आरोप लगा रहे हैं कि उन्हें आगे बढ़ने नहीं दिया जा रहा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने सभी गेट बंद कर दिए हैं। इसके साथ ही अब लोगों की एंट्री केवल एक गेट से ही हो रही है।
आम आदमी पार्टी के नेता जॉनी कोहली ने मीडिया को बताया कि यह सारा ड्रामा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंदर केवल उम्मीदवार और प्रस्तावक ही जा रहे हैं। काम बहुत ही व्यवस्थित तरीके से चल रहा है। उन्होंने कहा कि वह यह चुनाव नहीं लड़ना चाहते। उनकी पत्नी भी शिकायत दर्ज करवाने के लिए अंदर गई हैं।

# घर बैठे पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है, पोर्टल संपदा 2.0 में

**धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ** दमोह, मध्यप्रदेश में विकसित की गई ई-पंजीयन एवं ई-मुद्रांक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली का नवीन संस्करण 2.0 विकसित किया गया है। इससे नागरिकों को और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में मदद मिली है।संपदा 2.0 से कोई भी व्यक्ति अब घर बैठे निर्धारित दस्तावेजों का पंजीयन कर सकता है। इसके लिये विभागीय पोर्टल https://sampada.mpigr.gov.in पर कोई भी व्यक्ति स्वयं पंजीकृत होकर अपने दस्तावेज का पंजीयन अथवा ई-स्टाम्प जारी कर सकता है। राज्य सरकार ने इसकी प्रक्रिया को बहुत सरलीकृत कर दिया है। अब दस्तावेजों के पंजीयन के लिये कार्यालय आने अथवा सेवा प्रदाता की सेवाएं लेने की आवश्यकता नहीं रही है। संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीयन कार्य करने वाले पक्षकारों की आधार बेस्ड ई-केवायसी होगा। इसमें पेन कार्ड का सत्यापन आयकर विभाग के इंटीग्रेटेड सिस्टम पर आधारित होगा। संपत्ति की पहचान यूनिक आईडी से की जा सकेगी। संपत्ति की जियो मैपिंग के आधार पर ही गाइडलाइन दर निर्धारित होगी। इस आधार पर स्वतः ही संपत्ति का मूल्यांकन हो जायेगा। इस सॉफ्टवेयर में ऑटोमेटिक प्रारूप आधारित लेखन की व्यवस्था की गई है। शुल्कों के भुगतान के लिये संपदा वॉलेट मौजूद है। समस्त भुगतान सायबर ट्रेजरी या संपदा वॉलेट से सिंगल क्लिक द्वारा किया जा सकता है। पोर्टल में दस्तावेजों के निष्पादन की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल हस्ताक्षर आधारित किया गया है। ई-हस्ताक्षर के साथ ऑटोमेटिकली पक्षकारों का फोटो अटैच होने संबंधित प्रबंध भी सॉफ्टवेयर में किया गया है। संपदा 2.0 में चयनित दस्तावेजों के लिये फेसलेस पंजीयन का विकल्प भी उपलब्ध है। इसमें पंजीयन कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है। दस्तावेजों के इलेक्ट्रॉनिकली प्रेजेन्टेशन एवं वर्चुअल फाइनल करने की सुविधा के साथ कार्यवाही के प्रमाणीकरण के लिये ओटीपी की सुविधा भी दी गई है। इसमें पंजीयन, रिटर्न, रिफ्यूजल की सुविधा भी इलेक्ट्रॉनिकली उपलब्ध है। यह पक्षकारों को वीडियो केवायसी से पंजीयन सुविधा भी देता है। इसमें दोनों मोड (असिस?टेड एवं नॉन असिस्टेड) उपलब्ध है। पंजीकृत दस्तावेजों का केवल इलेक्ट्रॉनिक संस्करण ही संधारित किया जायेगा। संपदा 2.0 पोर्टल में पक्षकार स्वयं या सेवा प्रदाता के सहयोग से संपत्ति का पंजीयन कर सकता है। इसमें खरीदी या बेचे जाने वाली संपत्ति की पहचान संबंधित विभाग द्वारा प्रदत्त यूनिक आईडी तथा नक्शे पर चिन्हांकित संपत्ति से की जाती है। पक्षकारों की पहचान आधार बेस्ड ई-केवायसी से होती है। पोर्टल में चयनित दस्तावेज के आधार पर विलेख स्वतः तैयार होता है। विलेख के प्रारूप पर इलेक्ट्रॉनिकली सहमति के बाद शुल्क का ऑनलाइन भुगतान होता है। इसके बाद आधार बेस्ड ई-साईन या डिजिटल साइन के द्वारा ऑनलाइन ही दस्तावेजों का निष्पादन हो होता है। संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीकरण के लिये 3 विकल्प (पारंपरिक रूप से कार्यालय में उपस्थित होकर, फेसलेस पंजीयन और रिमोट पंजीयन) उपलब्ध कराये गये है। पंजीयन के लिये सुविधा अनुसार कार्यालय में आने के लिये स्लॉट आरक्षित कर सकते है। फेसलेस और रिमोट पंजीयन में एआई आधारित वीडियो केवायसी से प्रत्येक पक्षकार की पहचान एवं लाइवलीनेस चेक किया जा सकता है। इसके द्वारा समस्त स्व-घोषणाओं की वीडियो रिकॉर्डिंग होती है। इसमें भी नॉन असिस्टेड विकल्प की स्थिति में ऑनलाइन प्रेजेन्टेशन होता है। पंजीयन के लिये स्लॉट बुकिंग के लिये असिस्टेड विकल्प की स्थिति में वर्चुअल इंटरेक्शन के लिये स्लॉट आरक्षण की सुविधा उपलब्ध है।
**लाभाथियों ने साझा किये अपने अनुभव** पंजीयन विभाग की संपदा 2.0 लागू होने के बाद विभिन्न जिलों के लाभार्थियों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए इसे सुविधाजनक बताया है। गुना के विष्णु प्रसाद बशैंया ने अनुभव साझा किया कि पूरा काम ऑनलाइन और पहले से अधिक व्यवस्थित रूप से हुआ है। गुना की अंकिता ने बताया कि संपदा 2.0 से कम समय में बेहतर तरीके से काम हो जाना संभव हो गया है। मुझे तुरंत दस्तावेज मेरे मोबाइल पर प्राप्त हो गये है। इसी तरह का अनुभव रतलाम के श्री राकेश पाटीदार का भी रहा। उन्होंने दुकान की रजिस्ट्री संपदा 2.0 सॉफ्टवेयर से कराई जिसमें गवाह की आवश्यकता भी नही पड़ी और कोई परेशानी नहीं आई। साथ ही रजिस्ट्री भी मोबाइल पर हाथों हाथ प्राप्त हो गई।

# प्रदेश कांग्रेस सत्तारुढ़ भाजपा सरकार के छलावा को लेकर करेगी 16 को विधानसभा का घेराव-फुन्देलाल

## पुष्पराजगढ़ विधायक की पत्रकार वार्ता संपन्न

**यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ**
अनूपपुर, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया है।मध्यप्रदेश में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी की सरकार में कर्ज, क्राइम,भ्रष्टाचार,किसानों से छलावा जैसे प्रमुख मुद्दों को लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की अगुआई में 16 दिसंबर 2024 को मध्यप्रदेश विधानसभा का घेराव प्रदेश के सभी कांग्रेस जन मिलकर करेंगे।
उक्त आशय के विचार पत्रकार वार्ता में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पुष्पराजगढ़ विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहीं।
इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रमेश कुमार सिंह,मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव प्रेम कुमार त्रिपाठी,कोतमा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक मनोज कुमार अग्रवाल,जनपद जैतहरी के अध्यक्ष राजीव सिंह,युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष गुड्डू चौहान,जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष संतोष पांडे,एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष रफी अहमद प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।
पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव, विधायक पुष्पराजगढ फुन्देलाल सिंह मार्को ने कहा कि भारत के संविधान में दूसरे नंबर की सबसे बड़ी कुर्सी पर विराजित देश के उपराष्ट्रपति ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के वर्तमान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति अपनी प्रतिक्रिया देते हुये यह कहा कि आप झूठ बोलते हो,यह प्रदेश और देश के लिये बडी गम्भीर स्थिती है और उनकी इस प्रतिक्रिया ने जहाँ एक ओर देश की मोदी सरकार को आईना दिखाया है,वहीं प्रदेश में उनकी साख पर प्रश्नचिन्ह लगा है।
श्री मार्को ने कहा कि यदि कोई झूठ बोलने वाला राजनैतिक व्यक्ति है तो वह है शिवराज सिंह चौहान।यदि गूगल कर के देखो तो सबसे ज्यादा झूठ बोलने वाला व्यक्ति शिवराज सिंह चौहान का नाम आता है।उन्होने कहा की मध्यप्रदेश में कांग्रेस पार्टी लगतार यह बात कही है कि शिवराज सिंह चौहान जनता से झूठ बोलते हैं, व्यवस्था से भी झूठ बोलते हैं।विपक्ष में होने के नाते किसानों के हित में म.प्र.कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी आपसे बात करना चाहते थे, लेकिन शिवराज सिंह चौहान ने कोई समय देना उचित नही समझा।यह व्यक्तिगत रूप से कोई अपमान नहीं है,यह व्यवस्था का अपमान है।शिवराज सिंह चौहान में थोड़ी सी भी राजनैतिक मर्यादा बची हो तो देश के उपराष्ट्रपति ने आपके काम के तरीके पर सवाल क्यूं उठाया है...?और यह कहा है कि आप कर क्या रहे हो...? इतने साल से किसान अपनी फसलों के दाम मांग रहे हैं आप मौन हैं...? किसानों के लिये आपने क्या प्रयास किया...? शिवराज सिंह चौहान ने संसद में कहा कि किसानों को लागत से दो गुना समर्थन मूल्य नरेंद्र मोदी कि सरकार देती है।
श्री मार्को ने कहा कि इसका मतलब साफ है या तो धनकड साहब की भावना गलत थी या शिवराज सिंह चौहान ने संसद के अंदर झूठ बोला...? मैं धनकड साहब को साधूवाद देता हूँ कि आपने किसानों के हित और अधिकारों की बात कही।इतनी हिम्मत से अपनी सरकार व नरेंद्र मोदी और शिवराज सिंह चौहान को आईना दिखाया।
श्री मार्को ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान अपका झूठ और पाखंड सर चढ कर बोल रहा है।एक साल पहले शिवराज सिंह चौहान जी ने कहा कि 3100 रूपये धान, 2700 रुपए गेंहू के दाम मिलने चाहिये। अभी केवल 2300 रुपए में धान की खरीदी हो रही है। शिवराज सिंह चौहान को इसी वक्त अपने पद से इस्तीफा देना चाहिये क्युकी आप मध्यप्रदेश में सबसे बडा झूठ बोल कर गये कि 3100 रुपए धान का दाम देंगे लेकिन उन्होने नही दिया जो किसानों के साथ धोखा है।अभी मुख्यमंत्री विदेश गये थे लेकिन म.प्र.में जो पहले से अपना इंवेस्टमेंट कर चुके हैं राईस मिल एसोसियेशन को 2 साल के पैसे नही दिये,जिन लोगों ने इनवेस्ट कर दिया था वह अपने मिलों पर ताले लगा रहे हैं।सरकार का उस पर ध्यान नही है। देश व प्रदेश को कर्ज में डाल कर पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है।
श्री मार्को जी ने कहा आज पूरे मध्यप्रदेश में बांग्लादेश की घटना को लेकर लोग सड़कों पर थे।यह जनता के बीच संदेश क्या है...?यह संदेश कांग्रेस की विचारधारा का समर्थन था कि दुनिया में यदि कहीं भी अल्पसंख्यक हो तो उसकी रक्षा सरकार को करनी चाहिये।हमारे सारंगपुर सांसद इमरान मसूद ने संसद में एक नोटिस दिया है और यह कहा है कि बांग्लादेश के अल्पसंख्यक भाई, हिंदू अल्पसंख्यक या अन्य अल्पसंख्यकों की रक्षा हो इसके लिये सरकार दबाव बनाये।जो भी राजनैतिक रूप से कूटनीती होती है या डिप्लोमेसी होती है,उस पर बात करें।व्यापार-व्यवसाय की दृष्टि से सरकार उन पर दबाव बनाये।हमारी ट्रेन जाती है उन पर रोक लगाई जाए।अगर हमारे हिंदू समाज के लोग विदेश में खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं उसके पीछे अगर किसी का फेलियर है तो वह नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्रालय का है।
श्री माकों ने कहा कि हम मांग करते हैं कि आस-पास के देशों में जो हमारे अल्पसंख्यक हैं,चाहे वह बांग्लादेश,पाकिस्तान,कनाडा या अन्य देश हों इसी तरीके से हमले हुए।अमेरिका में भी ऐसी घटनाएं हुई पर नरेंद्र मोदी जी मौन क्युं रहते हैं...? उन्होने कहा कि हमारे देश के महापुरुष और देश की जनता के रहमों करम पर बांग्लादेश बना वहा हमारे लोगों की रक्षा नही होती तो इसका मतलब यह आज के सरकार की असफलता है। हम विदेश मंत्रालय से मांग करते हैं कि डिप्लोमेसी का उपयोग करें व विदेश नीती के तहत निर्णय लें ताकि कोई भी खुद को असुरक्षित महसूस ना करे।
श्री मार्को ने कहा म.प्र. में घटित घटनाओं, किसानों की समस्याओं को ले कर 16 दिसम्बर 2024 को मध्यप्रदेश विधानसभा घेराव म.प्र. कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार कि अगुआई में किया जा रहा है। जिसमें सभी कांग्रेस जन अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर किसानों की लडाई में सहभागी बनें।

# मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर आयोजित दिव्यांग शिविर के प्रथम दिवस हुए 500 से अधिक उपकरणो का वितरण

## विधायक आक्या के नेतृत्व में आयोजन

**शंभूपुरा।** आगामी 15 दिसम्बर को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जन्मोत्सव व भाजपा सरकार के सफलतम एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चित्तौडगढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या व श्री भगवान महावीर विकलांग सेवा समिति जयपुर शाखा अजमेर के सौजन्य से दिनांक 12 से 15 दिसम्बर तक स्टेशन रोड स्थित श्री केसरियाजी जैन धर्मशाला चित्तौडगढ़ में आयोजित चार दिवसीय दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर का शुभारम्भ गुरूवार को श्री श्री 1008 विनोद यति महाराज, विधायक चंद्रभानसिंह आक्या, जिला प्रमुख भुपेन्द्रसिंह बड़ोली व उद्योगपति नरेन्द्र चोरड़िया द्वारा भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर व पूजा अर्चना के साथ किया गया। प्रातः 9 बजे शिविर आरम्भ से ही बड़ी संख्या में दिव्यांगजन जिनका पूर्व में रजिस्टेश्रन हो चुका है, अपने पात्र दस्तावेजो के साथ पहुंचे। इस दौरान विधायक आक्या स्वयं प्रत्येक दिव्यांगजन की सहायता करते दिखे। इस दौरान अपने सम्बोधन में विधायक आक्या ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को उनके जन्मोत्सव की अग्रिम बधाई देते हुए कहां की प्रदेश की भाजपा सरकार के सफलतम एक वर्ष पूर्ण होने पर चार दिवसीय दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है, इन चार दिवसो में 2 हजार से अधिक दिव्यांगजनो को लाभान्वित किया जाएगा तथा जो दिव्यांग इस शिविर में आने में असमर्थ रहेंगे उन्हे आगामी दिनो में उनके घर-घर जाकर उपकरणो का वितरण किया जाएगा। शिविर संयोजक रवि विराणी ने बताया कि चार दिवसीय दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर में पात्र दिव्यांगजनो की सुविधा के लिये अनेक काउण्टर लगाये गये है। शिविर में समाज कल्याण विभाग द्वारा भी सहयोग प्रदान किया जा रहा है। शिविर में विभाग के उप निदेशक अशिन शर्मा ने पहुंचकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। शिविर संरक्षक अनिल ईनाणी ने बताया कि शिविर के प्रथम दिवस गुरूवार को 30 जयपुर फुट, 12 कृत्रिम हाथ, 91 कैलीपर, 40 बैसाखी, 139 कान की मशीन, 45 व्हीलचेयर, 85 ट्राई साईकिल, 5 ब्लाईंड स्टीक, 2 कृत्रिम पेर, 78 बुजुर्ग छड़ी सहित 529 दिव्यांगजनो को उपकरण निःशुल्क वितरीत कर लाभान्वित किया गया। श्री भगवान महावीर विकलांग सेवा समिति के अजमेर संभाग कोर्डिनेटर सुरेश मेहरा ने बताया कि शिविर में गोद में लाओ, चलाकर ले जाओ की तर्ज पर जयपुर फुट लगाए गए। शिविर प्रभारी कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि चारदिवसीय शिविर में प्रत्येक पात्र दिव्यांग को लाभांवित किया जायेगा। शिविर में डॉ. हसंराज शर्मा, डॉ. रंजन नश्कर, डॉ. विनोद शर्मा, डॉ. सुफियान खान आदि ने सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर सीकेएसबी चैयरमेन लक्ष्मण सिंह खोर, पूर्व यूआईटी चेयरमेन सुरेश झंवर, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष सुशील शर्मा, पूर्व प्रधान प्रवीण सिंह राठौड़, भरत जागेटिया, तेजपाल रेगर, ओमप्रकाश शर्मा, दिनेश शर्मा, रतन डांगी, पवन आचार्य, भोलाराम प्रजापत, शेलेन्द्र झंवर, नवीन पटवारी, बालकिशन भोई, नरेश जाट, रामेश्वर धाकड़, लाल चन्द गुर्जर, शिवराज सिंह बैजनाथिया, फतहलाल भड़कतिया, रामबक्ष कीर, रेणु मिश्रा, विमला गटियानी, मिनु कंवर, रेखा शक्तावत, प्रेम कुमावत, चांदनी गौड, ममता चैहान, राजन माली, रामप्रसाद बगेरवाल, गिरीश दीक्षित, गोपाल भांबी, शंकरलाल कीर, रतन वैष्णव, महेश लौहानी, रतन लाल भोई, प्रदीप बोहरा, कमल बिलोची, दिपक वर्मा, पंकज सेन, विनित तिवारी, नन्दलाल रेगर, विक्रम गवारिया, मनोहर वैष्णव, कुलदीप शर्मा, उदय लाल धाकड, नरेन्द्र सिंह जवासिया, युवराज सिंह बिजयपुर, पप्पु लाल रेगर, महेन्द्रसिंह, दिनेश मुंदड़ा, राजेन्द्रसिंह सहित बड़ी संख्या में जन प्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि व समाज कल्याण विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

# डॉक्टर साहब मान जाओ हमें छोड़कर मत जाओ गूंज उठा हॉस्पिटल केम्पस

**धार**
धार सरदारपुर स्वस्थ केंद्र में पदस्त डॉक्टर एम एल जैन साहब की स्वेछिक सेवा निवर्ती की खबर लगते ही क्रमांक 15 की महिला पार्षद ज्योति युवराज पवार के नेतृत्व में महिला मंडल एवं पुरुषोंके समहू के द्वारा समुदायक स्वास्थ्य केंद्र सरदारपुर पर डॉक्टर साहब मान जाओ हमे छोड़कर मत जाओ के नारेबाजी करते हुए जनहित में सरदारपुर के भगवान डॉक्टर एम एल जैन के द्वारा स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति ले जाने के फैसले को रोकने के लिए एवं यथावत सरदारपुर समुदाय स्वास्थ्य केंद्र पर निरंतर सेवा प्रदान करने के लिए सामूहिक रूप से निवेदन किया गया एवं उनके कार्यकाल में कोरोना में हजारों लोगों के जीवन दान एवं संपूर्ण नौकरी में कई गरीब मरीजो को निशुल्क उपचार की भावनाओं को याद किया एवं पुष्प माला से उनका स्वागत किया ।

# ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) का निरीक्षण

**शाजापुर**
कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आज शाजापुर के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) में चल रहे सिलाई एवं ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने ब्यूटी पार्लर एवं सिलाई सीखने आई महिला प्रशिक्षणार्थियों से चर्चा कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता की जानकारी ली। प्रशिक्षण पाने वाली महिलाओं ने बताया कि वे सभी ग्रामीण परिवेश से आती हैं। प्रशिक्षण लेने के बाद वे अपने ग्राम में रोजगार के लिए काम शुरू करेंगी। कलेक्टर ने प्रशिक्षकों से कहा कि मोटोराईज्ड सिलाई मशीन से प्रशिक्षण दें, ताकि महिलाएं कम समय में अधिक कार्य कर ज्यादा से ज्यादा आमदनी पा सकें। कलेक्टर ने कम्प्यूटर प्रशिक्षण कक्ष का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण करते हुए कहा कि एक ग्राम पंचायत से एक बैंक सखी (बीसी) को प्रशिक्षण दें। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत शाजापुर श्री राजकुमार हलदर, एलडीएम श्री विनोद कुशवाह, आरसेटी प्रबंधक श्री मुकेश गेहलोत, जनअभियान परिषद से श्री राजेश पाण्डे, श्री मनोज जोशी, श्री बलवंत शितोले भी उपस्थित थे।

# बदनावर तहसील चेतन

**बदनावर**
बदनावर। विधायक शेखावत क्षेत्र में विकास हेतु निरंतर प्रयासरत है। तथा लगातार क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण किया जाता है। विधायक भंवरसिंह शेखावत गुरुवार को स्थानीय डाक बंगल पर ग्रामीणों की रुबरु हुए। इस दौरान राजपुत समाज धर्मशाला छोटा कठोडिया में निर्माण हेतु 1 लाख 80 हजार रु की राशि ग्रामीणों को भेंट की गयी। वही ग्राम पचांयत फुलेडी सरपंच शंकरलाल चुंडावत द्वारा मांगों को लेकर आवेदन सोंपा गया। इस दौरान परितोशसिंह बंजी बना, राजपूत धर्मशााल अध्यक्ष मनोहरसिंह डोडिया, इंदरसिंह डोडिया, गजेन्द्रसिंह डोडिया, तुफानसिंह डोडिया, संदीपसिंह शेखावत, सोनू जाट, सुरेन्द्र गोयल, महेश पाटीदार, नितिन सांखला, आशिष जोशी, राजेन्द्र जाट, निज सहायक आरपी सिंह सहीत कई ग्रामीण मौजूद थे।

**झाबुआ** जन्मदिन पर श्री सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन जी के नाम से प्रयागराज कुंभ में सहयोग दिया । थांदला नगर के युवा व्यवसायि एवं बोहरा समाज के सदस्य बुरहान कश ने अपने जन्मदिन पर 53 थाली एवं झोलो का सहयोग किया । साथ ही उपसरपंच के मालिक इश्वर बैरागी निवासी बदनावर ने भी पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए 11 थाली और झोले का सहयोग किया। गौरतलब है की पर्यावरण प्रदूषण मुक्ति हेतु पर्यावरण संरक्षण गतिविधि,मालवा प्रांत द्वारा एक थालीढ्ढएक झोला देश व्यापी आभियान की शुरुवात हुई है ।इसमें कई लोग बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे है ।आगामी 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज महाकुंभ में 40 हजार टन कचरा उत्सर्जित होने का अनुमान है ।शासन प्रशासन अपने स्तर पर स्वच्छता एवं कचरा निस्तारण की व्यवस्था करेगा ही किंतु कचरा ना हो या कम से कम हो तो हम एक थैला एक झोला अभियान में सहभागिता निभा सकते हैं। इस पुनीत कार्य के लिए युवा व्यवसाई बुरहान कश द्वारा सैयदना मुफद्दल सेफुद्दीन जी की तरफ से 53 थालियां एवं झोलो का सहयोग किया और पुण्य लाभ लिया ।इस अवसर पर सेवा भारती के जितेंद्र राठौर ,शेखर आचार्य,,नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील पणदा, अभिषेक मिंडा, पार्षद

### यातायात व्यवस्था के सुधार हेतु जोन क्रमांक एक में की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

**इन्दौर** इंदौर में कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं आयुक्त नगर निगम श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार यातायात व्यवस्था में सुधार हेतु सड़क एवं फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया एवं एसडीएम श्री राकेश परमार के मार्गदर्शन में जोनल अधिकारी श्री अतीक खान एवं नगर निगम की रिमूवल टीम द्वारा आज जोन क्रमांक एक के अंतर्गत मरीमाता चौराहे से बाणगंगा नाका तक दोनों साइड फुटपाथ से 100 से अधिक दुकानों, ओटले और टीन शेड एवं अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। साथ ही शराब की दुकान पर गंदगी पाए जाने पर 10 हजार रूपये की चालानी कार्रवाई भी की गई।

# मुख्य अभियंता ने की नल-जल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

धीमी गति से कार्य करने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश

**खरगोन**
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के इंदौर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री वीएस सोलंकी ने विभाग के अमले एवं ठेकेदारों की 12 दिसंबर को खंड कार्यालय लोग स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खरगोन के अंतर्गत जल जीवन मिशन की नल जल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में कार्यपालन यंत्री श्री बीएस अचाले, सहायक यंत्री, उप यंत्री सहित विभाग कार्यों के ठेकेदार उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि खरगोन जिले के अंतर्गत जल जीवन मिशन की वर्तमान में कुल 830 योजनाएं हैं। मुख्य अभियंता श्री सोलंकी द्वारा नल जल योजनाओं की प्रगति की जमीनी एवं भौतिक प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान विभागीय ठेकेदारों को नल जल योजनाओं के कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। जिन ठेकेदारों द्वारा धीमी गति से कार्य किये जा रहे है उन्हें ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश दिए गए। जल जीवन मिशन अंतर्गत खरगोन जिले में 830 नल जल योजना स्वीकृत हैं, जिनमें से 531 नल जल योजनाओं का कार्य पूर्ण हो गया है और इनसे से 02 लाख 77 हजार 982 नल कनेक्शन ग्रामीण आबादी को मिल चुके हैं। जिले के कुल 03 लाख 53 हजार 836 ग्रामीण परिवारों को शत प्रतिशत नल से जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। अब तक 78 प्रतिशत ग्रामीण आबादी को नल से जल प्राप्त हो चुका है।

**विदिशा** कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज रोगी कल्याण समिति की बैठक में मरीजों व अटेंडरों के लिए चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु अनेक निर्णय लिए गए हैं। जिला चिकित्सालय के बैठक कक्ष में सीएमएचओ डॉ. योगेश तिवारी, सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. शिरीष रघुवंशी समेत समिति के अन्य सदस्यगण मौजूद रहे।

## कान्हा बाबा मेला के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें

### कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में दिए निर्देश

**हरदा** कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में गुरुवार को आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि कान्हा बाबा मेला सोडलपुर के लिए सभी आवश्यक तैयारियां और व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने मेला स्थल पर अग्निशमन व्यवस्था,पेयजल व्यवस्था ,विद्युत आपूर्ति एवं जनरेटर की व्यवस्था, वाहन पार्किंग व्यवस्था , सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने मेला स्थल पर मेडिकल टीम तैनात करने के लिए भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि मेला स्थल पर 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए पंजीयन शिविर आयोजित किया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने मेला आयोजन स्थल पर जनकल्याण अभियान के तहत ग्रामीणों के आवेदन प्राप्त करने के लिए शिविर आयोजित करने के निर्देश भी एसडीएम श्री महेश बडोले को दिए। पुलिस अधीक्षक श्री चौकसे ने मेला प्रवेश स्थल तथा निकासी स्थल पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए कहा । उन्होंने कहा कि मेला स्थल पर विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों के फोन नंबर प्रदर्शित करते हुए सूचना बोर्ड लगाया जाए, ताकि किसी को भी कोई समस्या हो तो वह संबंधित व्यक्ति से संपर्क कर सके। पुलिस अधीक्षक श्री चौकसे ने अनुविभागीय अधिकारी पुलिस को मेला स्थल पर पुलिस ड्यूटी, होमगार्ड ड्यूटी और नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों की ड्यूटी लगाने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि मेला समिति के जो स्वयंसेवक वहां कार्यरत रहेंगे सभी को फोटो युक्त पहचान पत्र जारी किए जाएं । बैठक में जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि कन्हा बाबा मेला 16 दिसंबर से प्रारंभ होगा जो लगभग एक महीने तक जारी रहेगा।

## तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

**नर्मदापुरम**
बुधवार को रेवा सभा कक्ष कलेक्टर कार्यालय में कोटपा एक्ट 2003 तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। सीएमएचओ डा. दिनेश देहलवार ने पीपीटी के माध्यम से बताया कि सार्वजनिक स्थानों, सभी शैक्षणिक स्थानों, प्रतीक्षालयों, अस्पताल, शासकीय एवं निजी कार्यालयों, शापिंग मॉल, अस्पताल, स्टेडियम, लोक परिवहन, ढाबा, धार्मिक स्थलों इत्यादि पर तम्बाकू एवं तम्बाकू से बने उत्पादों का उपयोग तथा उनका प्रचार प्रसार किसी भी जगह नहीं करना है। नाबालिगों से तम्बाकू उत्पाद बिकवाना या बेचना प्रतिंबधित रहेगा। तम्बाकू उत्पाद के 75 प्रतिशत हिस्से पर स्वास्थ्य हानिकारक चेतावनी अवश्य लिखी होनी चाहिये। उक्त बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिये कि सार्वजनिक स्थानों एवं शैक्षणिक स्थानों से 100 गज दूरी के अंदर तम्बाकू उत्पादों के प्रयोग करने वाले लोगों से 200 रूपये का जुर्माना लगाया जायेगा, नई पीढ़ी को तम्बाकू उत्पादों से दूर रखने हेतु तम्बाकू के दुष्प्रभावों का प्रचार प्रसार किया जाना चाहिये जैसे कि तम्बाकू के उपयोग से कैंसर, क्षय जेसी भयानक बीमारियां होती है।
बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये कि जिला एंव ब्लाक में इंफोर्समेंट दल गठित कर कोटपा एक्ट 2003 के तहत कोटपा की धारा 4 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, धारा 5 के अंतर्गत किसी भी जगह तम्बाकू उत्पादों का प्रचार प्रसार, धारा 6 अ के अंतर्गत नाबालिकों से तम्बाकू उत्पाद बिकवाना या बेचना, धार 6 ब के तहत शैक्षणिक स्थानों से 100 गज दूरी के अंदर तम्बाकू उत्पाद का विक्रय या उपयोग, धारा 7 के अंतर्गत तम्बाकू उत्पादों पर स्वास्थ्य हानिकारक चेतावनी प्रदर्शित इत्यादि का दुरूपयोग होने पर इंफोर्समेंट दल संबंधित दुरूपयोगकर्ता के विरूद्ध जुर्माना या सजा या दोनो प्रकार की कार्यवाही करे बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह,जिला पंचायत सीईओ श्री सोजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर श्री डीके सिंह, डिप्टी कलेक्टर डॉ बबिता राठौर, सीएमएचओ श्री दिनेश देहलवार आदि उपस्थित रहे।

# संपूर्ण बुंदेलखंड में करें वॉटर ऑडिट, करें मास्टर प्लान तैयार

**सागर**
**राजस्व रिकॉर्ड्स शुद्धिकरण पर दें विशेष ध्यान।**
**जल जीवन मिशन अंतर्गत सड़कों का रेस्टोरेशन अभियान के रूप में हो।**
**सभी कलेक्टर बसों की कराएं सघन जांच।**
**केन बेतवा लिंक परियोजना अंतर्गत भू अर्जन का कार्य पूर्ण करें।**
**-अपर मुख्य सचिव श्री एसएन मिश्रा**

अपर मुख्य सचिव गृह एवं संभागीय प्रभारी सचिव श्री एस एन मिश्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय में संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एडीजी श्री संजीव शमी, संभाग आयुक्त डॉ वीरेंद्र सिंह रावत, पुलिस महानिरीक्षक श्री प्रमोद वर्मा, डीआईजी सागर श्री सुनील कुमार जैन, डीआईजी छतरपुर श्री ललित शाक्यवार, कलेक्टर सागर श्री संदीप जी आर, कलेक्टर दमोह श्री संदीप कुमार कोचर, छतरपुर कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल, टीकमगढ़ कलेक्टर श्री अवधेश शर्मा, पन्ना कलेक्टर श्री सुरेश कुमार, निवाड़ी कलेक्टर श्री लोकेश कुमार रामचंद्र जांगिड़ ,पुलिस अधीक्षक सागर श्री विकाश कुमार शाहवाल, पुलिस अधीक्षक छतरपुर श्री अगम जैन, पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री सांई कृष्ण एस थोटा, पुलिस अधीक्षक दमोह श्री श्रुतकीर्ति सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक निवाड़ी श्री राय सिंह नरवरिया, पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ श्री मनोहर सिंह मंडलोई, सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित समस्त संभागीय एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे अपर मुख्य सचिव श्री मिश्रा ने संपूर्ण बुंदेलखंड में वाटर ऑडिट करके क्षेत्र के लिए एक मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र में पानी की कुल आवश्यकता का आंकलन किया जाए। चूंकि बुंदेलखंड वर्षा ऋतु के दृष्टिगत क्षेत्र शैडो रीजन होने के कारण पानी की कमी से जूझता है। इससे उबरने के लिए भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, सिंचाई, उद्योग आदि सभी आवश्यकताओं का आंकलन कर कमिश्नर तथा सभी कलेक्टर्स एक मास्टर प्लान तैयार करें। उन्होंने राजस्व महाभियान के अंतर्गत रिकॉर्ड शुद्धिकरण, अभिलेख दुरुस्ति, नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा आदि सभी प्रकरणों पर विशेष ध्यान देते हुए शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने कहा है कि आमजन की सुविधा के लिए चलाये जा रहे इस अभियान पर पूरी गंभीरता से कार्य किया जाए। अपर मुख्य सचिव श्री मिश्रा ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त सड़कों का रेस्टोरेशन कार्य त्वरित गति से किया जाए। रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण रूप से ठेकेदार की जिम्मेदारी है, जिसे अभियान के रूप में किया जाए। आवश्यकता पड़ने पर सभी कलेक्टर्स इस पर सख्ती से कार्यवाही करें। उन्होंने संभाग के सभी जिलों में बसों की सघन जांच कराए जाने के भी निर्देश दिए इसके अंतर्गत बसों का फिटनेस सर्टिफिकेट, आवश्यक परमिट/ लाइसेंस, बसों की समय सारणी, वे समय पर चल रहीं हैं अथवा नहीं, टिकट के उचित मूल्य आदि सभी बिंदुओं की जांच करने के निर्देश दिए हैं। इसी के साथ उन्होंने सभी कलेक्टर्स को नियमित रूप से करें जेल निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत विस्थापितों को समय से मुआवजा राशि मिले इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इसके

अतिरिक्त विस्थापन स्थल पर समस्त आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों यह भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संभाग के सभी जिलों के एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत चुने गए उत्पादों की भी अद्यतन जानकारी ली। उन्होंने अवैध शराब बिक्री पर रोक तथा निरंतर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार खुले में मांस विक्रय पर सख्ती से कार्यवाही करने तथा उचित स्थान पर मांस विक्रय के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों का निर्देशानुसार उपयोग किया जाए , परीक्षा के समय छात्र-छात्राओं को परेशान ना होना पड़े इसलिए डीजे आदि भी निर्धारित समय और ध्वनि के अनुसार उपयोग में लिये जाएं इस संबंध में भी स्पष्ट निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने समीक्षा बैठक में पूर्व बैठकों का पालन प्रतिवेदन, जन कल्याण पर्व/ अभियान की अद्यतन प्रगति, राजस्व महा अभियान-3 की अद्यतन प्रगति, केन-बेतवा लिंक की अद्यतन प्रगति की भी समीक्षा की।

## एबीवीपी जिला संयोजक सहित 100 से अधिक सदस्यों ने एनएसयुआई की सदस्यता ग्रहण की।

### विधायक डॉ विक्रांत भूरिया ने दिलाई सदस्यता

झाबुआ-- शुक्रवार को 100 से अधिक एबीव्हीपी सदस्यों ने आज अपना संगठन छोड कर कांग्रेस समर्थित एनएसयुआई की सदस्यता ग्रहण की। जिसके अन्तर्गत जिला संयोजक एवं भाग संयोजक भी सम्मिलित है। उक्त जानकारी देते हुए एनएसयुआई के जिलाध्यक्ष नरवेश अमलियार ने बताया कि एबीव्हीपी के जिला संयोजक एवं भाग संयोजक अपने 100 से अधिक कार्यकर्ताओं की संख्या में एनएसयुआई के सदस्यता झाबुआ विधायक डॉ विक्रांत भूरिया के समक्ष ग्रहण की । अमलियार एवं निलेश गणावा ने बताया कि भाजपा सरकार की छात्रों एवं युवाओं की विरोधी नीतियों से परेशान होकर तथा भाजपा समर्थित छात्र संगठन एबीव्हीपी से जुडे कर्मचारीयों पदाधिकारीयों तथा भाजपा के नेताओं से परेशान हो गये थे। इस हेतु जिला संयोजक निलेश गणावा ,विनोद गणावा भाग संयोजक नेतृत्व में 100 से अधिक छात्रों ने संगठन छोड कर कांग्रेस समर्थित एनएसयुआई के गमझे गले में डालकर सदस्यता दिलाई । इस अवसर पर विधायक वीरसिंह भूरिया, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका, पूर्व विधायक

## रूस ने नागरिकों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी की जारी

# अमेरिका और यूरोप यात्रा से बचने की सलाह

**इंटरनॅशनल डेस्क।** रूस ने अपने नागरिकों के लिए एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है जिसमें उन्हें अमेरिका और यूरोपीय देशों की यात्रा करने से बचने की सलाह दी गई है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने यह चेतावनी जारी करते हुए कहा कि इन देशों में रूसियों के लिए खतरा हो सकता है खासकर अमेरिकी अधिकारियों की ओर से।

**रूसियों को किस प्रकार का खतरा हो सकता है?**

मारिया जखारोवा ने इस ट्रैवल एडवाइजरी में यह कहा कि अमेरिकी अधिकारियों से रूसियों को खतरा हो सकता है और उन्हें इस समय इन देशों की यात्रा करने से बचना चाहिए। रूस ने यह चेतावनी अमेरिका और यूरोप के देशों में रूसियों के खिलाफ बढ़ते दबाव और तिरस्कार को देखते हुए जारी की है।

हाल ही में रूस और पश्चिमी देशों के बीच तनाव बढ़ा है खासकर रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से। पश्चिमी देशों ने रूस के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं और इसके साथ ही रूस के नागरिकों पर भी सख्ती बढ़ाई गई है। रूस का कहना है कि इन देशों में रूसियों को गिरफ्तार किया जा सकता है या उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है जिससे उनके लिए यात्रा करना असुरक्षित हो सकता है।

**रूस की ट्रैवल एडवाइजरी का उद्देश्य**

रूस ने यह एडवाइजरी अपने नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जारी की है ताकि वे इन देशों में यात्रा करने से पहले पूरी जानकारी प्राप्त कर सकें। रूस सरकार चाहती है कि उनके नागरिक अमेरिकी और यूरोपीय देशों में जाने से पहले सभी सुरक्षा पहलुओं पर विचार करें।

इस चेतावनी का असर रूसियों की यात्रा योजनाओं पर पड़ सकता है क्योंकि वे इन देशों में जाने से पहले सावधानी बरतेंगे।

## डोनाल्ड ट्रंप बने पर्सन ऑफ द ईयर 2024

# जानें टाइम पत्रिका ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति क्यों दिया सम्मान?

**न्यूयॉर्क:** अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बृहस्पतिवार को 'टाइम पत्रिका ने '2024 टाइम पर्सन ऑफ द ईयर नामित किया। ट्रंप को चुनावों में उनकी शानदार वापसी और विश्व में अमेरिका की भूमिका में बदलाव लाने के लिए नामित किया गया है। पत्रिका ने ट्रंप को 'एक पीढ़ी में एक बार होने वाले राजनीतिक बदलाव का अगुआ बनने और 'अमेरिकी राष्ट्रपति पद को नया आयाम देने के लिए सम्मानित किया है। ट्रंप वर्ष 2016 में पहली बार राष्ट्रपति बने थे और हाल ही में संपन्न हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल कर उन्होंने इतिहास रच दिया है। 'टाइम ने बृहस्पतिवार को 'पर्सन ऑफ द ईयर की घोषणा की।

यह एक प्रतिष्ठित खिताब है, जो पिछले 97 वर्षों से ऐसे व्यक्ति को दिया जाता रहा है, 'जिसके पिछले 12 महीनों के दौरान अच्छे या बुरे कार्यों से दुनिया में बदलाव आया हो और जिसने सुर्खियां बनाने में अधिक योगदान दिया हो। पिछले कुछ वर्षों से यह चुनाव कठिन रहा था, लेकिन उन्होंने बताया कि 2024 में यह सर्वथा आसान साबित हुआ। ट्रंप को 2016 में राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद टाइम पत्रिका ने 'पर्सन ऑफ द ईयर चुना था। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में घंटा बजाने से पहले एसोसिएटेड प्रेस ने ट्रंप के हवाले से कहा, टाइम पत्रिका, दूसरी बार यह सम्मान मिला, मुझे लगता है कि इस बार यह और भी अच्छा है।

टाइम पत्रिका ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति पद इन युगों में विकसित भले ही हुआ है, लेकिन इसका प्रभाव कम नहीं हुआ है। पत्रिका ने बताया, आज, हम एक बार फिर से लोकलुभावनवाद को उभरते हुए देख रहे हैं, पिछली सदी को परिभाषित करने वाली संस्थाओं में अविश्वास बढ़ रहा है और यह विश्वास कम होता जा रहा है कि उदार मूल्यों से अधिकांश लोगों का जीवन बेहतर होगा। ट्रंप इस सबसे गुजर चुके हैं। टाइम पत्रिका द्वारा इस वर्ष के पुरस्कार के लिए सूचीबद्ध अंतिम दावेदारों में ट्रंप को उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, सोशल मीडिया मंच एक्स के मालिक एलन मस्क, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और प्रिंसेस ऑफ वेल्स केट के साथ शुमार किया गया था।

## बिहार में अब ड्रोन उड़ाएंगी जीविका दीदी

# मंगल पांडेय ने कहा- ड्रोन दीदियों को कृषि के लिए हितकारी बनाने का लक्ष्य

**पटना.** बिहार के कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने गुरुवार को कहा कि ड्रोन दीदी योजना के जरिए आधी आबादी यानी महिलाओं को तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित किया जा सकेगा।

**प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना से ये योजना सामने आई**

कृषि मंत्री पांडेय ने गुरुवार को पटना के बामेती में ड्रोन दीदी योजना अंतर्गत चयनित महिला स्वयं सहायता समूहों के एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। स्थानीय बामेती सभागार में आयोजित कार्यशाला में कृषि मंत्री ने राय के 16 जिलों से आई 201 स्वयं सहायता समूहों की दीदियों को संबोधित करते हुए कहा कि तेज रफ्तार से चलना है तो नई तकनीक को समझना, स्वीकारना और उसका उपयोग करना होगा नहीं तो पिछड़ जाएंगे। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना से ये योजना सामने आई और सीएम नीतीश कुमार के मार्गदर्शन से इसे जमीन पर उतारा गया है। जिसका आप सभी को लाभ मिलने वाला है।

पांडेय ने कहा कि इस योजना का नाम ड्रोन दीदी योजना इसलिए रखा गया ताकि आधी आबादी यानी महिलाओं को तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित किया जा सके। इस योजना में ड्रोन समेत पूरे किट के लिए 80 प्रतिशत यानी आठ लाख का अनुदान दिया जा रहा है। वहीं बाकी बचे 2 लाख आपको जीविका समूहों के माध्यम से दिए जाएंगे। पूरे देश मे इस वित्तीय वर्ष 2024-25 और अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 में 14 हजार 500 समूहों को ड्रोन दीदी योजना से जोड़ने का लक्ष्य है। जिससे विकसित भारत और विकसित बिहार का निर्माण हो सकेगा। राय में किसानों के पास पारम्परिक नैपसेक, हैंड रॉकिंग स्प्रेयर इत्यादि छिड़काव यंत्र उपलब्ध हैं। वर्तमान में अति आधुनिक एवं स्वचालित संचालित छिड़काव यंत्र (ड्रोन) का प्रयोग प्रायोगिक तौर पर कृषि विज्ञान केन्द्र एवं अन्य कृषि संस्थानों के द्वारा किया जा रहा है। ड्रोन के उपयोग से कीटनाषी की कम मात्रा के साथ-साथ समय एवं पूंजी की बचत हो रही है, जिससे किसानों की उत्पादकता एवं आय में वृद्धि होगी।

कृषि मंत्री ने कहा कि इस योजना अंतर्गत भारत सरकार द्वारा बिहार राय के लिए कुल 201 ड्रोन वितरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पटना में निश्शुल्क 15 दिवसीय ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण कराया जाएगा। ड्रोन दीदी योजना के प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन एवं सतत निगरानी के लिए सचिव, कृषि विभाग की अध्यक्षता में राय स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है, जिनके मार्गदर्शन में ही इस योजना का कार्यान्वयन किया जायेगा।

# बेमिसाल ! रूस ने यूक्रेन युद्ध में मारे गए पंजाबी सैनिक की विधवा व परिवार को दी PR और बच्चों के लिए 20000 मासिक सहायता

**इंटरनॅशनल डेस्क।** रूस सरकार ने यूक्रेन के ज़ापोरीझिया में 12 मार्च को युद्ध के दौरान मारे गए पंजाबी मूल के तेजपाल सिंह के परिवार के पांच सदस्यों को स्थायी निवास देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। तेजपाल सिंह की पत्नी परमिंदर कौर ने इस खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि उन्हें पहले ही क्क मिल चुकी है। परिवार के अन्य सदस्यों तेजपाल के माता-पिता और उनके बच्चों को रूस पहुंचने पर स्थायी निवास प्रदान किया जाएगा। परमिंदर ने बताया कि रूस सरकार मार्च से ही उनके बच्चों, सात वर्षीय अरमिंदर सिंह और चार वर्षीय गुर्नाज़दीप कौर, को उनकी शिक्षा और रहने-खाने के खर्च के लिए 20,000 रुपए मासिक भत्ता दे रही है।

तेजपाल सिंह के शोक संतप्त परिवार ने बताया कि रूस ने यह सहायता उनके बच्चों के भविष्य को देखते हुए शुरू की है। हाल ही में तीन महीने के लिए मॉस्को का दौरा करने के बाद वापस लौटीं परमिंदर ने कहा कि अब तक उनके पति के पार्थिव शरीर को सौंपे जाने को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि वह फरवरी में फिर से मॉस्को जाएंगी ताकि शेष कागजी कार्रवाई पूरी कर सकें।

परिवार मई में रूस का दौरा करने की योजना बना रहा है, जब वहां की कड़ी ठंड थोड़ी कम हो जाएगी। तेजपाल के माता-पिता के रूस पहुंचने पर उन्हें भी वहां पेंशन मिलनी शुरू हो जाएगी। परिवार की भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए परमिंदर ने कहा कि फिलहाल उनका रूस में स्थायी रूप से बसने का कोई इरादा नहीं है। हालांकि, वे रूस का समय-समय पर दौरा करते रहेंगे। परमिंदर ने बताया कि रूस सरकार की मदद से उन्हें नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास से टूरिस्ट वीज़ा मिला था, जिसके जरिए वह मॉस्को गई थीं।

# अमेरिकी इन्फ्लुएंसर ने धधकती आग में फेंके पैसों के बंडल, यूजर्स ने जताई नाराजगी

**इंटरनॅशनल डेस्क।** आजकल सोशल मीडिया पर लोग लाइक्स और फॉलोवर्स के लिए अजीबोगरीब तरीके अपनाते रहते हैं। हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें एक अमेरिकी इन्फ्लुएंसर पैसों को आग में जला रहा है। इस वीडियो के कारण वह सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है लेकिन यूजर्स ने इसके खिलाफ नाराजगी भी जताई है। आइए जानते हैं इस वीडियो और उसके बाद के विवाद के बारे में।

यह वीडियो फेमस अमेरिकी इन्फ्लुएंसर बलवानोविच ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। वीडियो में बलवानोविच काले रंग का कोट, टोपी और सनग्लास पहने हुए दिखाई दे रहे हैं और वे धधकती आग में पैसे के बंडल फेंक रहे हैं। वीडियो में यह देखा जा सकता है कि वह लकड़ी के बजाय पैसे को जलाने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, *I wish you e&tra luck!* (मैं आपको ज्यादा किस्मत की शुभकामनाएं देता हूं)।

इस पोस्ट को अब तक 44,000 से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं और वीडियो को 1 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

**यूजर्स की प्रतिक्रियाएं**

इस वीडियो को देखकर यूजर्स ने अपनी निराशा और आलोचनाएं व्यक्त की हैं। कुछ लोगों ने इस वीडियो को गलत ठहराया और इन्फ्लुएंसर के इस कृत्य पर सवाल उठाए। एक यूजर ने लिखा, आप क्या साबित करना चाहते हैं? मुझे समझ नहीं आ रहा। दूसरे ने कमेंट करते हुए लिखा, गरीबों को बांट दिया करो भाई, हम जैसे लोगों को। एक और यूजर ने लिखा, वह ऐसा क्यों करता है जब इतने सारे बच्चे भूखे सोते हैं? एक अन्य यूजर ने यह भी दावा किया कि यह पैसे असली नहीं, बल्कि नकली थे।

वीडियो में दिखाए गए पैसे को लेकर यूजर्स के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। कई लोग इसे पैसे की बर्बादी और संवेदनहीनता मान रहे हैं जबकि कुछ लोग इसे सिर्फ एक शो-ऑफ मान रहे हैं।

**बलवानोविच की सोशल मीडिया फेम**

बलवानोविच इंस्टाग्राम पर एक फेमस इन्फ्लुएंसर हैं और उनके 1.3 करोड़ से अधिक फॉलोअर्स हैं। वह अक्सर इस तरह के विवादास्पद वीडियो और पोस्ट शेयर करते रहते हैं। इससे पहले भी उन्होंने एक वीडियो शेयर किया था जिसमें वह नीले रंग की नाइट रोब में डॉलर के बंडल उतारते हुए नजर आए थे। उनके घर के बाहर पहले से ही पैसे के ढेर लगे हुए थे।

इस तरह की वीडियो और पोस्ट से उनकी सोशल मीडिया पर पहचान तो बढ़ी है, लेकिन इसके कारण वह आलोचनाओं का भी सामना कर रहे हैं। वहीं यह घटना इस बात का संकेत देती है कि आजकल सोशल मीडिया पर लोकप्रियता पाने के लिए लोग कई बार संवेदनहीनता की सीमा भी पार कर देते हैं। जहां कुछ लोग इसे महज मनोरंजन मानते हैं वहीं कई लोग इसे समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता और धन की बर्बादी के रूप में देख रहे हैं।

# शर्मा जी की लड़की वेड्स गोपाल जी का लड़का...

## इस शादी के कार्ड ने इंटरनेट पर मचाया धमाल

**नेशनल डेस्क.** शादियों का सीजन है और इस दौरान सोशल मीडिया पर शादी से जुड़े वीडियो और पोस्ट खूब वायरल हो रहे हैं। हाल ही में एक शादी का कार्ड सोशल मीडिया पर जमकर चर्चा का विषय बना है। इस कार्ड को देखकर न केवल लोग हंस रहे हैं, बल्कि इसके अनोखे और मजेदार अंदाज ने सभी का ध्यान खींच लिया है।

**वेडिंग कार्ड में क्या है खास?**

आपने शादी के कई पारंपरिक और सजे-धजे निमंत्रण कार्ड देखे होंगे, लेकिन इस वायरल कार्ड की बात ही कुछ अलग है। आमतौर पर शादी के कार्ड में वर और वधू का परिचय और शादी के समय, तारीख आदि की जानकारी दी जाती है, लेकिन इस कार्ड में कुछ अनोखा लिखा गया है। वह शर्मा जी की लड़की वेड्स गोपाल जी का लड़का है। कार्ड पर यह मजेदार पंचलाइन खूब सुर्खियां बटोर रही है। आमतौर पर शादी के कार्ड में लोग बड़े आदर-सम्मान से मेहमानों को आमंत्रित करते हैं और आशीर्वाद की अपील करते हैं, लेकिन इस वायरल कार्ड में कुछ अलग ही अंदाज देखने को मिला है। कार्ड में लिखा- आपकी प्रजेंस की हमारी शादी में बहुत जरूरत है, क्योंकि आप ना आए तो हमारी शादी में खाने की बुराई कौन करेगा। इस मजेदार वाक्य को पढ़कर कोई भी हंसी रोक नहीं पाएगा है।

**पता ढूंढने में न हो कोई मुश्किल**

इस वायरल कार्ड में दुल्हन का परिचय कुछ इस तरह दिया गया है - पढ़ाई में तेज और दूल्हे के बारे में लिखा है - बी-टेक करके दुकान संभालता है। इसके अलावा शादी के आयोजन स्थल का पता भी कुछ इस तरह लिखा गया है, जिसे देखकर आप भी हंसी में पड़ जाएंगे। कार्ड में लिखा है, जहां पिछले साल दुबे जी का रिटायरमेंट था। ढूंढने के लिए वही कंफ्यूजिंग गेट मिलेगा जो हर जगह सेम लगता है। इस कार्ड में शादी के दिन को लेकर भी खास बातें लिखी गई हैं। जैसे 3 पंडितों ने ये दिन तय किया है, इसी दिन टिंकू के इक्जाम भी खत्म हो रहे हैं। वहीं रिसेप्शन के बारे में भी मजेदार जानकारी दी गई है, शादी हो गई, अब बारी है बुआ और फूफा जी के कलेश की।

**लेट लतीफ मेहमानों के लिए खास संदेश**

अगर आप शादी के कार्ड को ध्यान से पढ़ेंगे, तो आपको अंत में एक खास संदेश मिलेगा, जिसमें लिखा है, शादी का हैंगओवर अभी खत्म नहीं हुआ है। रिसेप्शन का ड्रामा देखने जरूर आएं। इसके बाद कार्ड में कुछ मजेदार सलाह दी गई है- प्लीज अपने बच्चों को कंट्रोल करें, इतना महंगा स्टेज उनका प्लेग्राउंड नहीं है। फूफा जी से जरूर मिलके जाएं, वरना उनका मुंह गोलगप्पा जैसा हो जाता है। खाना खाके जाना पर सिर्फ एक बार 2000 रुपये प्रति प्लेट है यार।इस वायरल कार्ड का हर हिस्सा लोगों को हंसी में डालने के लिए काफी है। इसे देखकर यह साफ है कि इस शादी में पारंपरिक से हटकर एक नई और मजेदार शैली को अपनाया गया है, जिससे न केवल शादी में शामिल होने वाले मेहमान खुश होंगे, बल्कि यह कार्ड खुद भी एक मजेदार याद बन जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569